भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत अखबार

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

29 जुलाई - 4 अगस्त 2026

jagrukjanta.net

आषाढ़, पक्ष - शुक्ल, तिथि - पूर्णिमा, संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-22, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- साप्ताहिक

हाथोज धाम, महामण्डलेश्वर 1008
श्रीश्री बालमुकुन्द आचार्य जी महाराज
गुरू पूर्णिमा महापर्व पर कोटि-कोटि प्रणाम

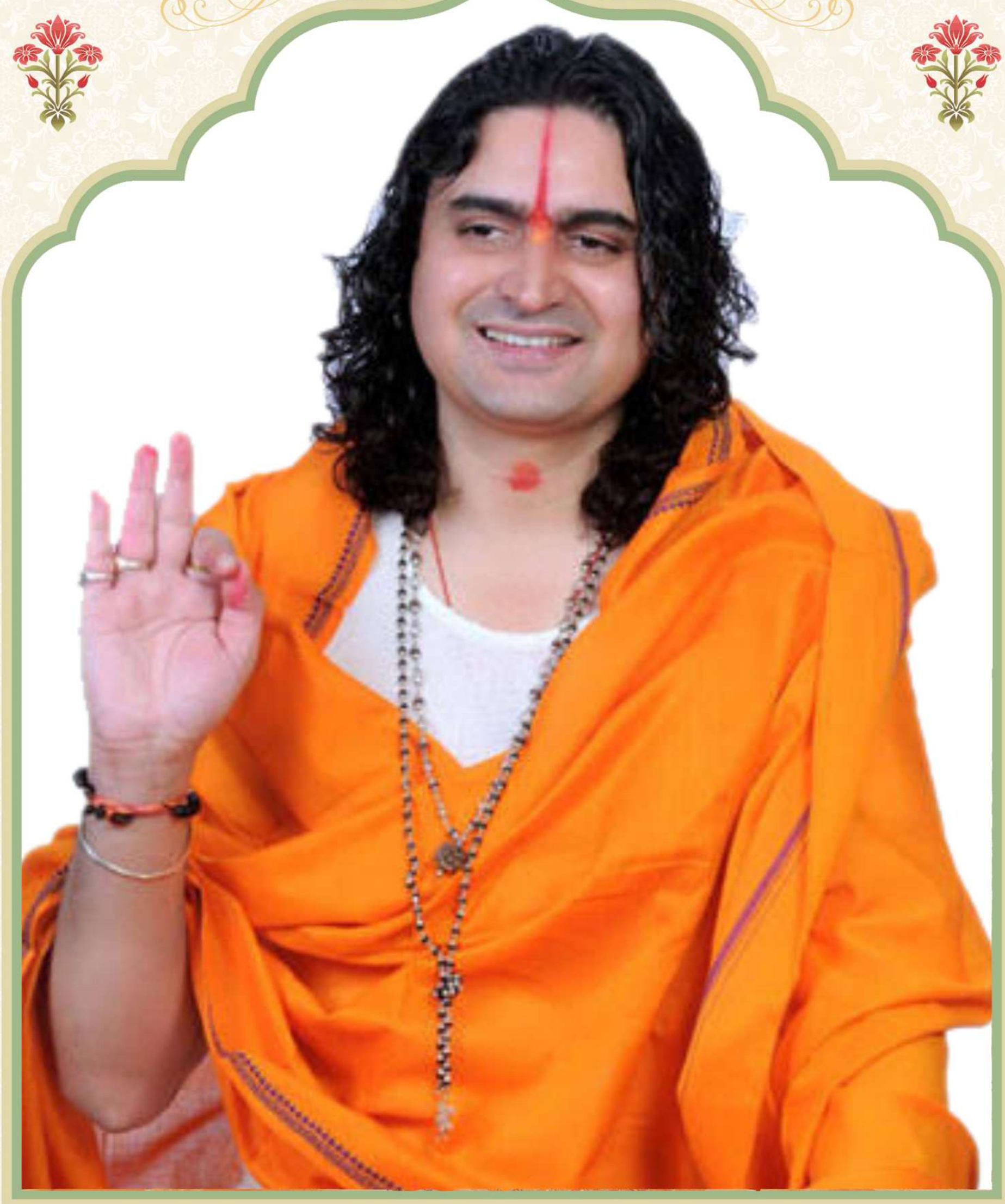

चरणों में

शिव दयाल मिश्रा-उर्मिला, ज्ञानेन्द्र मिश्रा-संतोष
चेतेन्द्र मिश्रा-प्रतिभा, कुमकुम, आरना, गौरवी, हर्विका

मो. 9928022718, 9829329070, 9828333666

बुधवार : 29 फरवरी, 2026

निगम का 'शिवार्पणम्' अभियान : जो पत्ता शिव को अर्पित हुआ, वो कचरे में नहीं जाना चाहिए. इसी सोच के साथ जयपुर नगर निगम ने तैयार किया अभियान

भगवान शिव को अर्पित बेलपत्र और फूल बनेंगे 'प्रसाद रूपी जैविक खाद'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सावन में भगवान शिव को अर्पित होने वाले बेलपत्र, पुष्प जैसी अन्य पूजा सामग्री अब कचरे के ढेर में नहीं जाएंगी. नगर निगम जयपुर ने धार्मिक आस्था को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता से जोड़ते हुए 'शिवार्पणम्' नाम से अभिनव अभियान शुरू किया है. इसके तहत शिव मंदिरों से एकत्र होने वाली पवित्र पूजन सामग्री को साइंटिफिक प्रोसेस से जैविक खाद में बदला जाएगा. फिर उसी खाद को 'शिवार्पणम्' प्रसाद पैकेट के रूप में श्रद्धालुओं और आमजन को वितरित किया जाएगा.

कचरे नहीं बनेगा शिव अर्पित निर्माल्य

नगर निगम सावन में श्रद्धा को धरती की सेवा से जोड़ने वाला मॉडल बनाने जा रहा है। निगम आयुक्त ओम कसेरा ने बताया कि सावन में श्रद्धा से सेवा तक थीम पर शिवार्पणम् अभियान चलाया जाएगा। सावन के दौरान हर दिन हजारों श्रद्धालु शिवालयों में जलाभिषेक और पूजा-अर्चना करते हैं। इस दौरान बड़ी मात्रा में बेलपत्र, फूल और अन्य जैविक पूजन सामग्री भगवान शिव को अर्पित की जाती है। अभी तक ये पवित्र निर्माल्य सामान्य कचरे में मिलकर डंपिंग यार्ड पहुंच जाता था. इससे न केवल श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती थीं, बल्कि जैविक खाद बनने की संभावनाएं भी खत्म हो जाती थीं। लैंडफिल पर अतिरिक्त भार पड़ता था, लेकिन जो पत्ता शिव को अर्पित हुआ, वो कचरे में नहीं जाना चाहिए। इसी सोच के साथ 'शिवार्पणम्' अभियान तैयार किया गया है।

ऐसे चलेगा पूरा अभियान

नगर निगम ने पूरे अभियान के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार की है। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार चयनित शिव मंदिरों से नगर निगम का ईवी हॉपर निर्माल्य का अलग से संग्रह करेगा। एकत्रित सामग्री को निकटतम नगर निगम उद्यान में ले जाकर श्रेडर मशीन से प्रोसेस किया जाएगा। इसके बाद कम्पोस्ट पिट में डिकम्पोजर कल्चर की सहायता से लगभग 30 दिनों में उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद तैयार की जाएगी. तैयार खाद को 'शिवार्पणम्' ब्रांडेड पेपर बैग में पैक कर श्रद्धालुओं और नागरिकों को प्रसाद स्वरूप वितरित किया जाएगा।

29 जुलाई से 28 अगस्त चलेगा अभियान

उन्होंने बताया कि श्रावण के सभी सोमवार को विशेष संग्रह अभियान चलाया जाएगा. इसमें प्रमुख रूप से 3 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त और 24 अगस्त को भी निर्माल्य संग्रह किया जाएगा. इसके अलावा 29 जुलाई से 28 अगस्त तक छोटी काशी के प्रमुख शिवालयों पर शिव पर अर्पित पूजन सामग्री को कलेक्ट कर कंपोस्ट खाद तैयार की जाएगी।

इन उद्यानों में बनेगी जैविक खाद

- **ताड़केश्वर महादेवः** जय निवास, पीओडब्ल्यूडी और कल्पना चावला पार्क
- **झारखंड महादेवः** परिवहन नगर श्मशान, उदय नगर और एनबीसी श्मशान पार्क
- **जंगलेश्वर महादेव :** केकर कानन, दीनदयाल उपाध्याय पार्क और डी-सर्किल पार्क
- **चमकारेश्वर महादेव :** राष्ट्रपति मैदान, केशव पार्क एवं रायथ कानन पार्क
- **रोजगारेश्वर महादेव :** चित्रकूट पार्क, भगत सिंह पार्क और भारत माता उद्यान

मौजूदा संसाधनों से चलेगा अभियान

कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि इस अभियान के लिए कोई अतिरिक्त मशीन या विशेष बजट नहीं लिया गया है. अभियान पूरी तरह निगम की मौजूदा श्रेडर मशीन, कम्पोस्ट पिट और अब तक इस्तेमाल नहीं हुए ईवी हॉपर का उपयोग करते हुए संचालित किया जाएगा।

10 हजार से ज्यादा 'शिवार्पणम्' प्रसाद पैकेट का लक्ष्य

नगर निगम ने इस अभियान के माध्यम से 10 हजार से अधिक 'शिवार्पणम्' जैविक खाद प्रसाद पैकेट श्रद्धालुओं तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है. इसके साथ ही मंदिर परिसरों की स्वच्छता बढ़ाने, सामान्य कचरे और लैंडफिल पर दबाव कम करने और ग्रीन वेस्ट का सम्मानजनक उपयोग सुनिश्चित करने का उद्देश्य भी तय किया है. कमिश्नर ने कहा कि 'शिवार्पणम्' अभियान केवल स्वच्छता कार्यक्रम नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और सर्कुलर इकोनॉमी का एक अनूठा उदाहरण है. इससे एक ओर मंदिरों में स्वच्छता बनी रहेगी. दूसरी ओर ऑर्गेनिक वेस्ट का उपयोग प्राकृतिक खाद के रूप में होगा. इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और हरित वातावरण को बढ़ावा देने में भी मदद मिलेगी।

फागी में ऑयल मिल पर फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट के मामले में वाणिज्यिक कर विभाग की कार्रवाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कर चोरी एवं फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट के मामलों पर वाणिज्यिक कर विभाग लगातार सख्ती बरत रहा है। इसी क्रम में विभाग द्वारा जयपुर जिले के फागी स्थित मैसर्स जिनेन्द्र ऑयल मिल पर सर्वे एवं निरीक्षण की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान करदाता द्वारा 37 लाख रुपये की कर राशि स्वैच्छिक रूप से जमा कराई गई। जांच के दौरान यह पाया गया कि फर्म द्वारा वास्तविक रूप से माल प्राप्त किए बिना इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा किया गया था। विभागीय जांच में लगभग 50 लाख रुपये की संभावित कर देयता भी चिह्नित की गई है। कार्रवाई के दौरान आवश्यक अभिलेखों के साथ मोबाइल फोन भी जांच के लिए अपने कब्जे में लिए गए हैं। मामले की विस्तृत जांच जारी है तथा संबंधित अभिलेख प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। यह कार्रवाई वाणिज्यिक कर विभाग के जयपुर जोन 3 के द्वारा की गई।

REET-2021 पेपर लीक मामले में गोविंद सिंह डोटासरा, सुभाष गर्ग, पूर्व CMO अधिकारियों और RGSC पदाधिकारियों से पूछताछ की मांग

मीणा ने शाह को भेजा 11 पन्नों का लेटर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने रीट-2021 पेपर लीक मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को 25 जुलाई 2026 को 11 पन्नों का लेटर भेजा है। मामले की व्यापक और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। पत्र में डॉ. मीणा ने आरोप लगाया है कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुए इस बहुचर्चित पेपर लीक प्रकरण में कई प्रभावशाली राजनीतिक नेताओं, तत्कालीन मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) के अधिकारियों, राजीव गांधी स्टडी सर्किल (RGSC) के पदाधिकारियों तथा अन्य लोगों की भूमिका की अब तक निष्पक्ष जांच नहीं हुई है। उन्होंने पूर्व शिक्षा मंत्री एवं वर्तमान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मंत्री सुभाष गर्ग, कुछ विधायकों, तत्कालीन सीएमओ अधिकारियों, गांधीयन इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस एंड गवर्नेंस (GISSG) और RGSC से जुड़े पदाधिकारियों से पूछताछ कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

17 परीक्षाओं में पेपर लीक का आरोप

लेटर में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल में 18 प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित हुईं, जिनमें से 17 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने विपक्ष में रहते हुए लगातार इन मामलों को उठाया, प्रधानमंत्री कार्यालय तक मामला पहुंचाया और प्रवर्तन निदेशालय (ED) को भी शिकायतें भेजीं। उनके अनुसार ED में भी प्रकरण दर्ज हुआ, लेकिन पर्याप्त साक्ष्य होने के बावजूद प्रभावशाली लोगों के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई।

प्रिंटिंग प्रेस पर खड़ा किया सवाल

डॉ. मीणा ने पत्र में आरोप लगाया कि रीट-2021 परीक्षा का प्रश्नपत्र छापने का कार्य नियमों के विपरीत कोलकाता स्थित सरस्वती प्रिंटिंग प्रेस को दिया गया। उनका दावा है कि तत्कालीन माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डॉ. डी.पी. जारोली ने तत्कालीन शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मंत्री सुभाष गर्ग तथा तत्कालीन CMO के दबाव में इस प्रेस को ठेका दिया। उन्होंने लिखा कि बोर्ड ने लगातार दूसरी बार इसी प्रेस का चयन किया, जबकि यह नियमों के विरुद्ध था।

तत्कालीन बोर्ड अध्यक्ष के बयान का जिक्र

पत्र में डॉ. मीणा ने तत्कालीन बोर्ड अध्यक्ष डॉ. डी.पी. जारोली के कथित बयान का भी उल्लेख किया है। उनके अनुसार, जारोली ने पद से हटाए जाने के बाद कहा था कि राजनीतिक संरक्षण में रीट का पेपर लीक हुआ। पत्र में दावा किया गया कि 4 फरवरी 2022 को सुबह 9:33 बजे जारोली ने राजस्थान विश्वविद्यालय पेंशनर्स एसोसिएशन के व्हाट्सएप समूह में संदेश भेजकर कहा था कि उन्हें 'बलि का बकरा' बनाया जा रहा है, और कुछ बड़े नेताओं तथा नौकरशाहों के दबाव में उन्होंने सरस्वती प्रिंटिंग प्रेस को काम दिया था। डॉ. मीणा ने आरोप लगाया कि जारोली को निलंबित कर पूरे मामले की जिम्मेदारी उन पर डाल दी गई, लेकिन आज तक स्ह्रत्न ने उनसे व्यापक पूछताछ नहीं की। उन्होंने कहा कि यदि जारोली से निष्पक्ष पूछताछ होती तो कई प्रभावशाली राजनीतिक नाम सामने आ सकते थे।

डोटासरा पर गंभीर आरोप लगाया

पत्र में दावा किया गया कि तत्कालीन शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने सरस्वती प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्नपत्र प्राप्त कर उसे लगभग 20 परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने की व्यवस्था करवाई। इनमें सीकर का प्रिंस कॉलेज, कलाम कोचिंग इंस्टीट्यूट, भरतपुर का मदर टेरेसा संस्थान सहित अन्य केंद्रों का उल्लेख किया गया है। आरोप है कि 24 और 25 सितंबर 2021 के दौरान अभ्यर्थियों से प्रश्नपत्र हल करवाए गए।

खाटूश्यामजी मेले से रेलवे को 2 दिन में 1.5 करोड़ की आय, प्रदेश में बना नंबर-2

सीकर @ जागरूक जनता। खाटूश्यामजी में देवशयनी एकादशी पर शनिवार-रविवार को आयोजित दो दिवसीय मेला रींगस रेलवे स्टेशन के लिए वरदान साबित हुआ है। रींगस रेलवे स्टेशन अधीक्षक बाबूलाल बाजिया ने बताया कि मेले के 2 दिनों में लगभग 2 लाख से अधिक श्याम भक्तों ने रेल यात्रा की। इस दौरान रेलवे को 1 करोड़ 50 लाख रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। लगातार बढ़ रहे राजस्व के कारण रींगस रेलवे जंक्शन अब राजस्व आय में प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा स्टेशन बन गया है।

अतिरिक्त ट्रेनें चलाई

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने अतिरिक्त ट्रेनें चलाई और स्पेशल बोगियां जोड़ी. कड़ी सुरक्षा व्यवस्था को अंजाम दिया गया। जीआरपी चौकी प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि एकादशी से रविवार तक रेल यात्रियों की भारी भीड़ रही, जिसे देखते हुए जीआरपी के सभी जवानों ने 24 घंटे अपनी सेवाएं दी. श्याम भक्तों को कोई परेशानी ना हो इसका ध्यान रखा गया।

सोजत में शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर पट्टे वितरित किये, विभागीय अधिकारियों की बैठक में शत–प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के दिए निर्देश

दिया कुमारी ने मारवाड़ में विकास कार्यों का किया शिलान्यास एवं उद्घाटन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन दौरे पर रहीं। जहां उन्होंने स्टेट हाईवे 61 स्काई ओवर ब्रिज का व करोड़ो रुपये के विकास कार्यो का शिलान्यास व लोकार्पण किया। साथ ही मारवाड़ जंक्शन उपखंड मुख्यालय स्थित झाझरियां हनुमान मंदिर परिसर में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। सिरियारी और सवराड़ गांव की नदियों पर बने पुलों तथा रानी-भिवाड़िया सड़क मार्ग के नवीनीकरण कार्य का भी लोकार्पण किया।

उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संबोधित करते हुये कहा कि सरकार में समयबद्ध रूप से योजना बनाकर कम समय में तेज व आधुनिक तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में सरकार ने गुणवत्तापूर्ण विकास कार्यों को धरातल पर उतारकर जनता के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास किया है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से सड़क, पुल और अन्य आधारभूत संरचना से जुड़े कार्य गुणवत्ता के साथ पूरे किए जा रहे हैं तथा सरकार विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंच रहा है और आगे भी मिलता रहेगा। उपमुख्यमंत्री ने लोगों से सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में भगवान के दर्शन कर देश प्रदेश खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में मारवाड़ जंक्शन विधायक केसाराम चौधरी ने विधानसभा क्षेत्र में हुए विकास कार्यों की जानकारी दी।

जयपुर निकाय चुनावः यूडी टैक्स बकाया होने पर नहीं लड़ पाएंगे पार्षद चुनाव, निगम से लेनी होगी NOC

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में प्रस्तावित नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियों के बीच नगर निगम जयपुर ने संभावित उम्मीदवारों के लिए महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। निगम प्रशासन ने आदेश जारी किए हैं कि पार्षद चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों को नगर निगम से नो ड्यूज सर्टिफिकेट लेना होगा, जिन लोगों पर यूडी टैक्स या निगम का अन्य कोई बकाया होगा, उन्हें एनओसी जारी नहीं की जाएगी और ऐसे लोग चुनावी प्रक्रिया में परेशानी का सामना कर सकते हैं। निकाय (नगर निगम) चुनाव को देखते हुए चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों से नो ड्यूज सर्टिफिकेट मांगा जाएगा। नगरनिगम जयपुर के अतिरिक्त आयुक्त नरेंद्र कुमार बंसल ने बताया कि तत्कालीन ग्रेटर और हेरिटेज नगर निगम के निर्वाचित पार्षदों और चेयरमैनों को नो ड्यूज सर्टिफिकेट कार्मिक उपायुक्त स्तर से जारी किया जाएगा, जबकि अन्य व्यक्तियों को संबंधित जोन स्तर से प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया जाएगा।

पूर्व पार्षदों को पहले जमा कराने होंगे

आदेश में ये भी स्पष्ट किया गया है कि तत्कालीन ग्रेटर और हेरिटेज नगर निगम के निर्वाचित पार्षदों और चेयरमैनों को संबंधित शाखाओं से फर्नीचर, उपकरण, स्टेशनरी, मोबाइल, सिम, लैपटॉप या अन्य किसी भी प्रकार की बकाया सामग्री या राशि नहीं होने का प्रमाण-पत्र पेश करना होगा। सभी विभागों से 'नो ड्यूज' मिलने के बाद ही उन्हें नो ड्यूज सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा। वहीं, अन्य संभावित उम्मीदवारों को संबंधित जोन कार्यालय से ये प्रमाण-पत्र तभी मिलेगा, जब उनके नाम किसी प्रकार का यूडी टैक्स या निगम का अन्य बकाया दर्ज नहीं होगा।

चुनावी तैयारियों के बीच निगम की सख्ती

नगर निगम का ये आदेश ऐसे समय में आया है, जब राज्य सरकार निकाय चुनाव की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने में जुटी हुई है। माना जा रहा है कि चुनाव लड़ने वाले संभावित उम्मीदवारों के बकाया की समय रहते जांच कर विवादों से बचने और प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से ये व्यवस्था लागू की गई है।

रिपोर्ट आने के बाद तय होगा आरक्षण

उधर, स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा कह चुके हैं कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सुप्रीम कोर्ट के ट्रिपल टेस्ट संबंधी निर्देशों की पालना करते हुए जैसे ही प्रदेश में पिछड़ा वर्ग की आबादी के आंकड़े उपलब्ध करा देगा, उसके एक सप्ताह के अंदर ओबीसी, एससी, एसटी और महिला आरक्षण तय कर दिया जाएगा। ऐसे में अब चुनावी प्रक्रिया की सबसे अहम कड़ी आयोग की रिपोर्ट ही है।

राजस्थान में बनेगा NFSU का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन साइबर सिक्योरिटी, गांधीनगर के बाद होगा देश का दूसरा सबसे एडवांस साइबर सेंटर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में NFSU का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन साइबर सिक्योरिटी बनेगा. गांधीनगर के बाद देश का दूसरा सबसे एडवांस साइबर सेंटर होगा। हैकर्स के रियल टाइम डेटा और साइबर अटैक पैटर्न पर निगरानी होगी. बैंक पुलिस अस्पताल और निजी संस्थानों को भी साइबर सुरक्षा सेवाएं मिलेगी।

शुरुआती चरण में सेंटर में 10 साइबर एक्सपर्ट तैनात किए जाएंगे. सितंबर अंत तक सेंटर के पूरी तरह एक्शन मोड में आने की तैयारी है। पाक सीमा से जुड़े राजस्थान के लिए यह सेंटर रणनीतिक रूप से अहम है। साइबर अपराध जांच और फिशिंग अटैक रोकने में पुलिस को बड़ी मदद मिलेगी।

डिहाइड्रेट अवस्था में दुर्लभ इंडियन ग्रिफिन वल्चर गिद्ध गिरा था

जयपुर एयरपोर्ट पर गिरा घायल गिद्ध दो दिन बाद फिर उड़ा, खराब मौसम से भटक गया था रास्ता

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर घायल और डिहाइड्रेट अवस्था में मिले एक दुर्लभ इंडियन ग्रिफिन वल्चर (Indian Griffon Vulture) का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया. इलाज के बाद उसे छोड़ दिया गया। वन विभाग, रक्षा संस्थान, वाइल्ड लाइफ वेट्स इंटरनेशनल और जयपुर एयरपोर्ट अथॉरिटी के संयुक्त प्रयास से गिद्ध को बचाया गया.

रिहैबिलिटेशन सेंटर में इलाज

रक्षा संस्थान के रोहित गंगवाल ने बताया कि 25 जुलाई को जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट की वाइल्ड लाइफ हैजार्ड मैनेजमेंट टीम के सदस्य लोकेश यादव ने एयरपोर्ट की बाउंड्री के पास एक घायल भारतीय ग्रिफिन वल्चर दिखाई देने की सूचना दी। वन विभाग और रक्षा संस्थान की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची, और गिद्ध का रेस्क्यू कर रक्षा संस्थान के रिहैबिलिटेशन सेंटर ले जाया गया।

गंभीर चोट नहीं, डिहाइड्रेशन

वेटरनरी विशेषज्ञों की जांच में सामने आया कि गिद्ध को कोई गंभीर शारीरिक चोट नहीं लगी थी, वह अत्यधिक डिहाइड्रेशन का शिकार था. विशेषज्ञों के अनुसार यह संभवतः पहली बार घोसले से उड़ान भरने वाला युवा गिद्ध था, जो खराब मौसम के कारण पर्याप्त थर्मल एयर करंट्स नहीं मिलने से अपने प्राकृतिक मार्ग से भटककर शहर की ओर पहुंच गया। भारतीय ग्रिफिन वल्चर उड़ान के दौरान थर्मल एयर करंट्स का उपयोग करते हैं, और अनुकूल परिस्थितियों में एक बार में 200 से 300 किलोमीटर तक की दूरी तय करने की क्षमता रखते हैं।

दो दिन के उपचार के बाद उड़ान

रिहैबिलिटेशन सेंटर में दो दिनों तक सपोर्टिव थेरेपी और देखभाल के बाद गिद्ध पूरी तरह स्वस्थ हो गया. इसके बाद वन विभाग की निगरानी में उसे उसके प्राकृतिक आवास में सफलतापूर्वक रिलीज कर दिया गया। इस दौरान एसीएफ जितेंद्र सिंह शेखावत, रेंज ऑफिसर जोगिंदर सिंह, जयपुर एयरपोर्ट की वाइल्डलाइफ हैजार्ड मैनेजमेंट टीम मौजूद रही।

एंटी पेपर लीक विधेयक युवाओं के सपनों की सुरक्षा और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था की मजबूत पहल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

देश के करोड़ों युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि उनके वर्षों के परिश्रम, अनुशासन और सपनों की कसौटी होती हैं। जब प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती, बल्कि युवाओं का व्यवस्था पर विश्वास भी कमजोर पड़ता है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने की दिशा में उठाए गए कदमों के क्रम में एंटी पेपर लीक कानून एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार इस बात पर जोर देते रहे हैं कि देश के युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय स्वीकार्य नहीं है। उनका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि सरकारी नौकरियों और प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन का एकमात्र आधार प्रतिभा, योग्यता और मेहनत होनी चाहिए। इसी सोच को साकार करने के उद्देश्य से परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कठोर कानूनी प्रावधान किए गए हैं।एंटी पेपर लीक कानून का उद्देश्य प्रश्नपत्र लीक, परीक्षा में धांधली, संगठित नकल और भर्ती प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाना है। इसके तहत प्रश्नपत्र लीक करने, खरीदने, बेचने अथवा ऐसी साजिश में शामिल व्यक्तियों और संगठित गिरोहों के विरुद्ध कठोर दंड, भारी आर्थिक दंड तथा अन्य सख्त कानूनी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। कानून का उद्देश्य केवल दोषियों को सजा देना नहीं, बल्कि ऐसी घटनाओं को होने से पहले ही रोकना भी है।

बीते वर्षों में पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों अभ्यर्थियों को मानसिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से प्रभावित किया। कई परीक्षाएं रद्द हुईं, भर्ती प्रक्रियाएं वर्षों तक लंबित रहीं और मेहनती युवाओं का विश्वास डगमगाया। ऐसे समय में यह कानून उन लाखों अभ्यर्थियों के लिए विश्वास का नया आधार बनकर उभरा है, जो ईमानदारी से तैयारी कर अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं। सरकार परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों, डिजिटल निगरानी, सुरक्षित प्रश्नपत्र प्रबंधन, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था तथा जांच एजेंसियों के बेहतर समन्वय पर भी विशेष बल दे रही है। इससे भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और प्रतिभाशाली युवाओं को निष्पक्ष अवसर उपलब्ध होंगे। यह कानून उन संगठित गिरोहों के लिए स्पष्ट संदेश है जो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर अवैध लाभ कमाने का प्रयास करते हैं। अब ऐसे अपराधों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई के साथ त्वरित जांच और प्रभावी दंड सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। एंटी पेपर लीक कानून केवल एक विधिक व्यवस्था नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों की रक्षा, सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का आधार केवल प्रतिभा और परिश्रम हो, न कि अनियमितताएं और भ्रष्टाचार। युवाओं का विश्वास किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होता है। एंटी पेपर लीक कानून इसी विश्वास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इसका प्रभावी क्रियान्वयन देश की भर्ती प्रणाली को अधिक विश्वसनीय, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाएगा तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भागीदारी को और अधिक सशक्त करेगा।

– **अजय शर्मा,** पत्रकार

मुख्यमंत्री ने गोवर्धन में की प्रसादी सेवा

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने गिरिराज जी महाराज गोवर्धन परिक्र मा मार्ग पर प्रभु भक्तों की सेवा की। इस अवसर पर उन्होंने प्रसादी व जल वितरण किया। उन्होंने कहा कि प्रभु भक्तों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है और यही हमारी सनातन संस्कृति का मूल भाव भी है। गिरिराज जी महाराज की कृपा समस्त प्रदेशवासियों पर सदैव बनी रहे तथा सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक चेतना का संचार हो, यही कामना है ।

सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग)भर्ती, 2021

रेनल ट्रांसप्लांटेशन यूरोलॉजी (सुपर स्पेशियलिटी) का साक्षात्कार कल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग)भर्ती, 2021 अंतर्गत रेनल ट्रांसप्लांटेशन यूरोलॉजी (सुपर स्पेशियलिटी) - के पदों हेतु साक्षात्कार दिनांक 30 जुलाई 2026 को आयोजित किये जायेंगे। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थी स्वयं का नवीनतम पासपोर्ट साईज रंगीन फोटो, नवीनतम स्पष्ट फोटोयुक्त मूल पहचान-पत्र एवं समस्त मूल प्रमाण-पत्र मय फोटो प्रति के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करें अन्यथा साक्षात्कार से वंचित कर दिया जायेगा। अभ्यर्थियों के साक्षात्कार पत्र आयोग की वेबसाईट पर यथासमय अपलोड कर दिये जायेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयास ला रहे रंगः राजस्थान में 11 हजार से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना

अब गांव-ढाणी में भी घर के पास बेहतर इलाज

44 लाख से अधिक वेलनेस सत्र, 4 करोड़ से अधिक लोग लाभान्वित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में गांव-ढाणी तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में आयुष्मान आरोग्य मंदिर एक बड़े बदलाव के रूप में उभरकर सामने आए हैं। पहले जहां सामान्य बीमारी के उपचार के लिए भी लोगों को कई किलोमीटर दूर अस्पतालों का रुख करना पड़ता था, वहीं अब गांव और मोहल्ले के निकट ही बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। गर्भवती महिलाओं की देखभाल से लेकर बच्चों के स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग, मानसिक स्वास्थ्य, बुजुर्गों की देखभाल, टेलीमेडिसिन तथा आवश्यक जांच एवं दवाओं तक व्यापक स्वास्थ्य सुविधाएं घर के नजदीक ही उपलब्ध कराई जा रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017 के अनुरूप देशभर में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में गांव-ढाणी तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर बदल रही है। राजस्थान में 18 हजार 436 स्वास्थ्य संस्थानों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिनमें से अब तक करीब 11 हजार 500 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को पूरी तरह क्रियाशील किया जा चुका है, शेष संस्थानों को चरणबद्ध रूप से शुरू किया जा रहा है। राज्य में वर्तमान में 8,370 उप स्वास्थ्य केंद्र, 2 हजार 107 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 286 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं 728 शहरी जनता क्लिनिक को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में विकसित कर लोगों को नियमित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रशिक्षित कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ), एएनएम, स्टाफ नर्स और आशा कार्यकर्ता की टीम सातों दिन लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही है। इसका सबसे बड़ा लाभ ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को मिल रहा है, जिन्हें अब छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिला अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में केवल सामान्य उपचार ही नहीं, बल्कि कॉम्प्रीहेंसिव प्राइमरी हेल्थ केयर के तहत 12 प्रकार की विस्तृत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इनमें गर्भवती महिलाओं एवं प्रसव संबंधी सेवाएं, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य, परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, संक्रामक रोगों का उपचार, सामान्य ओपीडी सेवाएं, मधुमेह, उच्च रक्तचाप सहित गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन, आंख-कान-नाक एवं गला संबंधी सेवाएं, मुख स्वास्थ्य सेवाएं, जीरियाट्रिक एवं पेलिएटिव केयर, आपातकालीन प्राथमिक उपचार, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी स्क्रीनिंग एवं उपचार जैसी सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मरीज गांव में, विशेषज्ञ डॉक्टर स्क्रीन पर

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से टेलीमेडिसिन सेवाओं को नया विस्तार मिला है। ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल तथा मेडिकल कॉलेजों से डिजिटल माध्यम से जोड़ा गया है। इस व्यवस्था के माध्यम से मरीजों को अपने गांव के स्वास्थ्य केंद्र पर ही विशेषज्ञ चिकित्सकों से ऑनलाइन परामर्श मिल रहा है। इससे अनावश्यक यात्रा, समय और खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। अब तक राज्य में 31 लाख से अधिक लोग टेलीमेडिसिन सेवाओं का लाभ उठा चुके हैं।

स्वास्थ्य जागरूकता भी बढ़ा रहे ये केंद्र

आयुष्मान आरोग्य मंदिर केवल उपचार तक सीमित नहीं हैं, होलिस्टिक एप्रोच के साथ लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित कर रहे हैं। राज्यभर में अब तक इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 44.49 लाख से अधिक वेलनेस सत्रों का आयोजन किया जा चुका है। इन कार्यक्रमों से लगभग 4 करोड़ नागरिक लाभान्वित हुए हैं। इन वेलनेस सत्रों, स्वास्थ्य मेलों और विशेष स्वास्थ्य दिवसों के माध्यम से लोगों को योग, पोषण, गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, मानसिक स्वास्थ्य तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

दवाइयां और जांच भी घर के पास

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर लोगों को 121 प्रकार की आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के ई-औषधि सॉफ्टवेयर के माध्यम से दवाओं की ऑनलाइन उपलब्धता और आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इसी प्रकार इन केंद्रों पर 14 प्रकार की आवश्यक जांच सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, जिनमें हीमोग्लोबिन, गर्भावस्था जांच, ब्लड शुगर, मलेरिया, डेंगू, एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी, सिफिलिस, मूत्र जांच, पानी एवं नमक की गुणवत्ता जांच, सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग सहित अन्य आवश्यक जांच शामिल हैं।

जनस्वास्थ्य के नए मानकों की ओर बढ़ता प्रदेश

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों ने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को अस्पताल-केंद्रित व्यवस्था से निकालकर समुदाय आधारित व्यवस्था में बदला है। अब लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती, विशेषज्ञ चिकित्सकीय सलाह स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो रही है, आवश्यक दवाइयां और जांचें निःशुल्क मिल रही हैं तथा बीमारियों की समय रहते पहचान और उपचार संभव हो रहा है। राजस्थान में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का तेजी से विस्तार एक सुखद संकेत है कि स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र अब बड़े अस्पतालों से निकलकर आमजन के घरों के निकट पहुंच चुका है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सुशासन संकल्प को मिलेगा बल

स्वच्छ एवं सशक्त नगरीय निकायों के लिए संविदा सफाई कर्मचारी के 24,752 पदों पर होगी भर्ती

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार नगरीय निकायों की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व तथा स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में 24,752 संविदा सफाई कर्मचारियों की यह भर्ती शहरी स्वच्छता व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करने के साथ ही स्वच्छ, स्वस्थ एवं सशक्त नगरीय निकायों के निर्माण व स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को भी गति देगी। स्वायत्त शासन विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से 15 अगस्त से 28 सितम्बर रात्रि 11:59 बजे तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। भर्ती संबंधी विस्तृत विज्ञापन, निकायवार रिक्त पदों का विवरण, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य दिशा-निर्देश विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। भर्ती राजस्थान कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट्स रूल्स, 2022 एवं समय-समय पर संशोधित प्रावधानों के अनुसार की जाएगी। इसके लिए अभ्यर्थी राजस्थान का मूल निवासी हो। संविदा सफाई कर्मचारी पद हेतु कोई शैक्षणिक योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। अभ्यर्थी की आयु 1 जनवरी, 2027 को न्यूनतम 21 वर्ष तथा अधिकतम 40 वर्ष होनी चाहिए। आरक्षित वर्गों को आयु सीमा में नियमानुसार छूट प्रदान की जाएगी। भर्ती में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थी के पास राज्य की किसी भी नगरीय निकाय में सफाई कार्य का न्यूनतम एक वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है। यह एक वर्ष का अनुभव लगातार अथवा अलग-अलग अवधियों को मिलाकर हो सकता है। अनुभव प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप में संबंधित नगरीय निकाय अथवा अधिकृत संस्था द्वारा जारी किया जाना आवश्यक है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अनुभव प्रमाण-पत्र 1 अगस्त, 2026 के बाद तथा आवेदन की अंतिम तिथि से पूर्व जारी किया गया होना चाहिए। इससे पूर्व जारी अनुभव प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होंगे। साथ ही अभ्यर्थियों को आवेदन से पूर्व अपना जनाधार कार्ड अद्यतन रखने की सलाह भी दी गई है। भर्ती प्रक्रिया में प्रत्येक अभ्यर्थी केवल एक ही नगरीय निकाय में आवेदन कर सकेगा। एक से अधिक नगरीय निकायों में आवेदन करने पर संबंधित अभ्यर्थी के सभी आवेदन स्वतः निरस्त कर दिए जाएंगे। संविदा सफाई कर्मचारी पदों पर चयन सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा विकसित ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के माध्यम से लॉटरी प्रक्रिया द्वारा किया जाएगा। चयन में प्राथमिकता संबंधित नगरीय निकाय में एक वर्ष का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को दी जाएगी। यदि पद रिक्त रहते हैं तो संबंधित जिले की अन्य नगरीय निकायों में अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों तथा उसके बाद राज्य की अन्य नगरीय निकायों में अनुभव रखने वाले पात्र अभ्यर्थियों को लॉटरी प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

ट्राइबल मेडिकल मीना मीट 2026 में ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ट्राइबल मीना मेडिकल मीट के 11 वें कार्यक्रम का आयोजन दुर्गापुरा में आयोजित किया गया कार्यक्रम के सयोजक मनोज दुब्बी ओमप्रकाश ब्याडवाल प्रदीप ने बताया हर वर्ष की भाँति विश्व आदिवासी दिवस से पहले चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत कर्मचारियों के द्वारा ये कार्यकम पिछले 11 वर्ष से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम ऑक्सीजन देने वाले पेड़ो की पूजा कार्यक्रम की अध्यक्षता बन्ने सिंह मीना द्वारा की गई कार्यक्रम में न्यूरोसर्जन डॉ सुनील मीना राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ मदन मोहन मीणा कार्डिक विभाग के नर्सिंग अधीक्षक मंटू लाल मीणा रामकेश मीणा सुपर स्पेशलिस्ट के नर्सिंग अधीक्षक राष्ठपति अवार्ड विजेता श्री रामप्रसाद मीना राजस्थान नर्सज एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष खुशीराम मीणा आदि पेड़ पोधो की पूजा कर कार्यक्रम की शुरुआत की इस अवसर पर बन्ने सिंह मीना जी द्वारा आदिवासीयत और शांति सम्मानित के प्रतीक सफेद तौलिया और जल जंगल स्वास्थ्य के छेत्र में काम करने वाले सभी को 26 श्रेष्ठ को बिरसा मुंडा 2026 अवार्ड से सम्मानित किया गया। ट्राइबल मेडिकल मीणा मीट के अध्यक्ष अशोक और सयोजक संदीप चेतराम मनोज दुब्बी ने बताया कि आदिवासी समाज प्रकर्ति पूजक रहा है और हम हर वर्ष जुलाई माह में आदिवासी दिवस से पहले यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता जिस में प्रकृति का संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण और अच्छा स्वास्थ्य के लिए जागरूकता किया जाता और नए सदस्यों का स्वागत किया जाता है। कार्यक्रम भगवती फूलबती शारदा निनामा सुमन मेनपुरा मेघा अनीता प्रियंका उषा महिमा मुनिराज हिंगोनी इंद्रराज दीपक माण्डवत मुरारी रामलखन सुनील आदि उपस्थित रहे।

राजधानी में होगा अंतरराष्ट्रीय आयोजन, मुख्य सचिव ने की समीक्षा बैठक

12-13 अगस्त को जयपुर में मिलेंगे ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्री एवं केंद्रीय बैंक गवर्नर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में आगामी 12 एवं 13 अगस्त को जयपुर में आयोजित होने वाली ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में शामिल अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय बैठक के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समयसीमा में तैयारियां पूर्ण करें।

अतिथियों को मिले संस्कृति का उत्कृष्ट अनुभव

मुख्य सचिव ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय बैठक में भाग लेने आ रहे प्रतिनिधियों को राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा पारंपरिक आतिथ्य का उत्कृष्ट अनुभव मिले, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विदेशी प्रतिनिधियों के स्वागत एवं आतिथ्य की सभी व्यवस्थाएं उच्च गुणवत्ता की हों। बैठक में सभी संबंधित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य सचिव ने आवश्यकतानुसार दिशा-निर्देश देते हुए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर बल दिया।

सुरक्षा, मीडिया प्रबंधन तक सभी व्यवस्थाओं पर विशेष जोर

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा, प्रशासनिक व्यवस्थाएं, यातायात प्रबंधन, अतिथियों के आवागमन, सांस्कृतिक कार्यक्र म, मीडिया समन्वय, प्रोटोकॉल, आवास तथा अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाकर उसका प्रभावी रि यान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए आपसी समन्वय बनाए रखे ताकि आयोजन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

समन्वित प्रयासों से सफल होगा आयोजन

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी विभाग नियमित समीक्षा करते हुए सौंपे गए कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करें। उन्होंने अधिकारियों से आयोजन के प्रत्येक पहलू पर विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी चुनौती का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग नवीन जैन ने बताया कि ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों की आगामी बैठक के मद्देनजर सभी तैयारीयों को संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर समयबद्ध रूप से पूरा किया जा रहा है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह भास्कर सावंत, प्रमुख शासन सचिव, वित्त वैभव गालरिया, सचिव, स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन, महानिरीक्षक पुलिस (गृह) दीपक कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (इंटेलिजेंस) प्रफुल्ल कुमार, आयुक्त, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राकेश शर्मा सहित सभी संबंधित विभागों के आला अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्र सरकार को भेजा प्रस्ताव

सीएस वी.श्रीनिवास को मिलेगा 1 वर्ष का एक्सटेंशन!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास को 1 वर्ष का एक्सटेंशन मिलेगा। उनके उत्कृष्ट कार्य एवं केंद्र सरकार के साथ कोआर्डिनेशन को देखते हुए एक्सटेंशन मिल रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है. 24 जुलाई को केंद्र को प्रस्ताव भेजा गया है। मुख्य सचिव 31 अगस्त को रिटायर हो रहे थे। लेकिन अब मुख्यमंत्री की सिफारिश पर केंद्र सरकार उन्हें एक वर्ष का एक्सटेंशन देने जा रही है। सूत्रों के अनुसार अखिल अरोड़ा की परफॉर्मेंस को देखते हुए इस स्टेज पर मुख्यमंत्री सीएमओ में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं चाहते थे और इस प्रकार अब वी श्रीनिवास- अखिल अरोड़ा की जोड़ी सीएम भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान के मैंडेट को लागू करती रहेगी। अलबत्ता पिछले कुछ महीनो से दिल्ली में लगातार भजनलाल शर्मा का ग्राफ बढ़ रहा है। हर रोज नई योजनाओं की घोषणा और मुख्यमंत्री के ग्रामीण क्षेत्रों के जबरदस्त दौरों से ग्राफ बढ़ रहा है। वैसे भी अपना वजन घटाकर मुख्यमंत्री इन दिनों ज्यादा चुस्त दुरुस्त दिख रहे हैं।

राजस्थान में आज से पांच दिन भारी बारिश का अलर्ट

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में आज से पांच दिन भारी बारिश का अलर्ट है. उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन सिस्टम असरदार होगा। मौसम विभाग ने 3 अगस्त तक कई जिलों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। कोटा, भरतपुर, जयपुर, अजमेर, उदयपुर, बीकानेर संभाग रहेंगे सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे. 29 जुलाई से कई जिलों में लगातार येलो अलर्ट जारी रहेगा। 30 जुलाई से 2 अगस्त तक भारी से अतिभारी बारिश का अनुमान है। प्रदेश में अब तक सामान्य से करीब 7 प्रतिशत कम बारिश दर्ज हुई है।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा छात्र सहायता केंद्र का शुभारंभ

जयपुर @ जागरूक जनता। नवप्रवेशी विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय शिक्षण मंडल, चित्तौड़ प्रांत की युवा गतिविधि द्वारा राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में "छात्र सहायता केंद्र" की स्थापना की गई है। इस सहायता केंद्र के माध्यम से विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने आए विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को प्रवेश संबंधी जानकारी, दस्तावेज़ सत्यापन, विभागों की जानकारी, परिसर में आवश्यक स्थानों तक मार्गदर्शन तथा अन्य आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है।

यह सेवा कार्य राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति एवं भारतीय शिक्षण मंडल, चित्तौड़ प्रांत के प्रांत अध्यक्ष प्रो. आनंद भालेराव जी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी दृष्टिकोण के अनुरूप संचालित किया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने में प्रांत सह मंत्री डॉ. जयप्रकाश त्रिपाठी, इकाई अध्यक्ष डॉ. ज्ञान रंजन पंडा, इकाई उपाध्यक्ष डॉ. शैलेश पाटीदार, इकाई सचिव डॉ. धनेश्वर प्रस्ती, व्यवस्था प्रमुख डॉ. अखिल अग्रवाल, उच्च शिक्षा गतिविधि प्रमुख डॉ. गाथा ठाकर, संपर्क कार्य विभाग प्रमुख डॉ. देबाश्री दास, प्रचार प्रमुख डॉ. सोमनाथ, युवा गतिविधि प्रमुख डॉ. हेमंत जोशी तथा युवा गतिविधि सह प्रमुख रुसम दास का विशेष मार्गदर्शन एवं सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। प्रवेश परामर्श (काउंसलिंग) की संपूर्ण अवधि के दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह छात्र सहायता केंद्र सभी तीन-चार दिनों तक निरंतर संचालित रहेगा। इसके लिए युवा गतिविधि के उत्साही कार्यकर्ताओं ने स्वयं को विभिन्न पालियों (शिफ्टों) में विभाजित किया है, जिससे प्रत्येक दिन एवं पूरे समय विद्यार्थियों को सतत सहायता, मार्गदर्शन और सहयोग उपलब्ध कराया जा सके।

सम्पादकीय

भारत की शिक्षा व्यवस्था को नौकरशाही में फेरबदल नहीं

नरेंद्र मोदी सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं के बीच सीधी बातचीत हुई, सोनम वांगचुक ने भूख हड़ताल खत्म कर दी है और प्रदर्शनकारियों को मनाने के लिए नाटकीय कदम उठाते हुए गुरुवार देर रात उच्च शिक्षा सचिव को पद से हटा दिया गया। प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा चाहते थे और वे इस कदम से संतुष्ट नहीं हुए। अब तो प्रधान का इस्तीफा भी हो चुका है और जंतर मंतर से प्रदर्शनकारी भी लौट चुके हैं। मगर उच्च शिक्षा सचिव को पद से हटाए जाने पर मुझे अपने दफ्तर की दीवार पर टंगा छोटा सा फ्रेम याद आ गया। वह मुझे अपनी बेटी से उपहार में मिला 1942 की मशहूर फिल्म कैसाब्लांका का पोस्टर है। भले ही आपने यह फिल्म न देखी हो, लेकिन आपको वह अमर संवाद जरूर याद होगा, जिसमें कैप्टन लुई रेनो एक घातक गोलीबारी के बाद पुलिसकर्मियों से कहते हैं, 'पुराने संदिग्धों को पकड़ लाओ।' सचिवों के तबादले भी कुछ वैसे ही हैं।

किसी भी संकट में अफसरशाह आसान शिकार बन जाते हैं। 2024 में नीट पेपर लीक के बाद भी राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) में छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस और महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह समेत कुछ अहम लोगों को हटाया गया था। नेताओं को यही सहज लगता है। उच्च शिक्षा सचिव पद से हटाकर पंचायती राज सचिव बनाए गए विनीत जोशी एनटीए के पहले महानिदेशक थे। मोदी सरकार के काम करने के तरीके और पुराने रिकॉर्ड को देखकर प्रधान का हटना असंभव लग रहा था क्योंकि किसानों के आंदोलन में झुक जाने के बाद अब वह दबाव में मान जाने वाली सरकार की छवि नहीं चाहती थी। बहरहाल प्रधान ने इस्तीफा दे दिया और प्रदर्शनकारी संतुष्ट होकर घर लौट गए मगर क्या इससे भारत के युवाओं का संघर्ष खत्म हो जाएगा? भारत में बचपन आज इतना तनाव भरा, होड़ भरा और एकांगी (सिर्फ पढ़ाई और परीक्षा तक सीमित) हो गया है, जितना पहले कभी नहीं था। नीट को ही देखिए। इस वर्ष 22 लाख छात्रों ने परीक्षा दी। एमबीबीएस की 1,39,489 सीटों के लिए इनमें से केवल 5 प्रतिशत ही चुने गए। उनके अलावा 25,000 से 35,000 छात्र एमबीबीएस करने के लिए विदेश जाएंगे, जिनमें ज्यादातर पूर्व सोवियत गणराज्यों, फिलिपींस और बांग्लादेश तक में पढ़ेंगे। पढ़ाई पूरी करने के बाद अगर वे भारत में डॉक्टर के तौर पर काम करना चाहते हैं तो उन्हें भी नीट (50 पर्सेंटाइल के कट-ऑफ से ऊपर) निकालना पड़ता है। इस सबके बीच 20 लाख से अधिक छात्र दौड़ से बाहर रह जाते हैं। इनमें से कई ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों और उनसे जुड़े कॉलेजों में प्रवेश के लिए सीयूईटी (कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) भी दिया होगा। लेकिन वहां भी चयन की संभावना बहुत कम है। लाखों छात्र इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए जेईई की होड़ में हैं। पहली सीढ़ी लांघने के बाद भी छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का सिलसिला खत्म नहीं होता। स्नातकोत्तर हो, पीएचडी हो या अध्यापन की नौकरी, हर बार परीक्षा आ जाती है। मध्यमवर्गीय या उससे कम आय वाले भारतीय परिवारों के बच्चों का जीवन 15 वर्ष की उम्र से ही कोचिंग संस्थानों, प्रतियोगी परीक्षाओं और पेपर लीक होने पर दोबारा परीक्षाओं के अंतहीन चक्र में फंस जाता है। अब आप समझ सकते हैं कि जंतर-मंतर पर इतने अधिक छात्र प्रदर्शन क्यों कर रहे थे? उनमें से कई के तो माता-पिता भी आए थे।

तकनीकी महारत और टोटल फुटबाल से उत्कृष्टता की नायाब नजीर

संदर्भः फीफा विश्व कप में स्पेन की खिताबी जीत

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मनमोहन हर्ष
स्वतंत्र टिप्पणीकार
@jagrukjanta.net

फीफा विश्व कप का 23 वां संस्करण स्पेन की तकनीकी महारत, बतौर टीम एक दूसरे का पूरक बने खिलाड़ियों द्वारा प्रतिद्वंद्वी टीमों को छकाने की अविस्मरणीय बाजीगरी और मुक्कमल फुटबॉल के लाजवाब प्रदर्शन का गवाह बन गया। सोलह साल बाद एक बार फिर विश्व फुटबाल के सर्वोच्च मुकाम पर जीत का परचम लहरा कर सिरमौर बनी स्पेन की युवा टीम ने इस विश्व कप में उत्कृष्टता जो नजीर पेश की है, वह कई मायनों में बेहद खास है। विश्व कप फुटबाल में इस बार यह विशेष बात रही कि सेमीफाईनल में पहुंचने वाली चारों टीमें फ्रांस, अर्जेंटीना, इंग्लैंड और स्पेन फीफा रैंकिंग में भी प्रथम चार स्थानों पर काबिज थी। सेमीफाईनल के लाइन अप में जब दुनियां की नम्बर एक टीम के तौर पर किलियन एम्बापे के नेत्तव वाली फ्रैंच और लियोनिल मैस्सी की अगुआई में डिफेंडिंग चैंपियन और नम्बर दो अर्जेंटीना की टीम मौजूद हो तो भला कौन इस बात की कल्पना कर सकता था कि रोड्रिगो हर्नांडेज की कप्तानी में स्पेनिश टीम इन दोनों बड़े नाम और सितारों से सज्जित टीमों को बीच मैदान में खेल के हर क्षेत्र में बौना साबित करते हुए मैदान मार लेगी। स्पेन ने सेमीफाईनल और फाईनल में दिग्गज और महान खिलाड़ियों से लैस फ्रांस और अर्जेंटीना को फुटबाल के मैदान पर तकनीकी सिद्धहस्तता के दम पर बेदम करते हुए विष्व खिताब अपने नाम कर यह भी साबित किया है कि खेल शैली, टीम स्पिरिट, श्रेष्ठता और दमखम जैसे हर पैमाने पर वह सही मायने में 'निर्विवाद विश्व श्रेष्ठ है। ग्रुप-एच में अपने पहले मुकाबले में 5.5 लाख की आबादी वाले काबो वर्डे की टीम के साथ गोल रहित ड्रा खेलकर टूर्नामेंट का सुस्त अंदाज में आगाज करने वाली स्पेन की टीम को भले ही 'टेक्निकली साऊंड यूथ टीम' कहा जा रहा था, मगर इस सच को स्वीकार करने में किसी को गुरेज नहीं होना चाहिए कि पांच बार के विजेता ब्राजील, चार बार की विजेता जर्मनी, तीन बार की चैंपियन अर्जेंटीना, दो खिताब जीत चुके फ्रांस और 1966 के विजेता इंग्लैंड जैसी नामी टीमों की चर्चाओं के बीच स्पेन के दांवे को उतनी तवज्जों नहीं मिल रही थी। फिर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नेत्तव में पुर्तगाल और सनसनीखेज किरदार इर्लिंग हालैंड की मौजूदगी वाली नार्वे की टीमें भी क्रोएशिया और बेल्जियम के साथ सुर्खियां बटोरने की कई वजहों के साथ मैदान में थीए इसके चलते स्पेनिष टीम के दमदार होने के बावजूद उसके खिताबी दावे पर किसी ने गम्भीरता से गौर नहीं किया था। स्पेन ने सऊदी अरब (4-0) और दो बार के विष्व विजेता उरूग्वे (1-0) पर जीत के साथ ग्रुप एच में शीर्ष पर रहते हुए नॉक आउट में प्रवेश किया और फिर एक के बाद एक ऑस्ट्रिया (3-0), पुर्तगाल (1-0) और बेल्जियम (2-1) को हराकर अपने करामाती तेवरों की ओर सभी का ध्यान आकर्षित करते हुए सेमीफाईनल में प्रवेश किया, मगर फिर भी एम्बापे और मैस्सी के दीवाने और कई बड़े खेलविज्ञ अब भी यह मानने को तैयार नहीं थे कि स्पेन वाकई में चुनौतियों के हर तिलिस्म को तोड़कर दूसरी बार फीफा विश्व कप में अपनी बादशाहत को कायम करने के करीब है। स्पेन की युवा टीम की ताकत और महारत के असली खेल का आगाज यहीं से हुआ और जब उसने अपने तरकश के तमाम तीरों का इस्तेमाल करते हुए पहले फ्रांस और फिर अर्जेंटीना को बीच मैदान में हर मोर्चे पर बेबस साबित करते हुए कमाल के प्रदर्शन से खिताब पर कब्जा कर लिया। फीफा रैंकिंग में नम्बर वन टीम होने के कारण फ्रांस को खिताब के प्रबलतम दावेदार में शुमार किया जा रहा था। मगर सेमीफाईनल मुकाबले में स्पेन के लड़ाकों ने तकनीकी श्रेष्ठता के दम पर विषेष व्यूह रचना बनाकर फ्रांस की ऐसी घेराबंदी की कि एम्बापे सहित दीगर फ्रांसीसी खिलाड़ियों के हुनर को इस मैच में जैसे कोई सांप सूंघ गया। पलक झपकने के अंतराल में एक के बाद एक नपेतुले और स्टीक पासेज से खेल पर पूरी तरह हावी रही स्पेन की टीम के आगे एम्बापे सहित डेम्बेले और ओलिसे जैसे अन्य फ्रांसीसी दिग्गजों की एक भी नहीं चल पाई और स्पेन ने 2-0 से ये मुकाबला जीतकर विश्व खिताब के द्वार पर मजबूत दस्तक दे दी। फाईनल में अर्जेंटीना की मजबूत दीवार को भेदने के लिए हर तरह से सक्षम होने के बाद भी स्पेन की खिताबी दावेदारी को केवल महान मैस्सी की विपक्ष में मौजूदगी के कारण दुनियां अब भी गले उतारने के लिए सहजता से तैयार नहीं थी। मगर फाईनल में करीब 850 कम्पलीट पासेज के साथ खेल पर 65 प्रतिषत कंट्रोल करते हुए निर्धारित 90 मिनट के खेल में स्पेन ने 20 बार अर्जेंटीना के गोल पर निर्णायक धावा बोला और इसमें से 10 बार उसके निशाने करीब-करीब सटीक थे। अगर अर्जेंटीना के गोल पर चट्टान की तरह डटे एमिलियानो मार्टिनेज ने एक के बाद एक कई दिलकश बचाव नहीं किए होते तो निर्धारित 90 मिनट में उनकी टीम 4-5 गोलों से मुकाबला हार चुकी होती। स्पेन के मुकाबलें में अर्जेंटीना फाईनल में 382 पासेज ही सही-सही खेल पाया और जहां तक स्पेन के गोल पर हमला करने की बात है, मैस्सी की आर्मी चार हाफ में पूरी तरह फिसड्डी ही बनी रही। अंततोगत्वा अतिरिक्त समय में 106वें मिनट में फैरान टोरेस ने विजयी गोल दागकर स्पेन को फुटबाल की दुनियां का दूसरी बार सिरमौर बना दिया। अर्जेंटीना की टीम जो फाईनल से पहले इस बात के लिए प्रसिद्ध हो गई थी कि गोल खाने के बाद निर्णायक समय में वह घायल शेर की मानिंद प्रत्याक्रमण रचकर वापसी करती है, उसके खिलाड़ियों की स्पेन के सामने घिग्घी बंधी रही और वे स्पेन द्वारा रचे गए तकनीकी और टोटल फुटबाल के चक्रव्यूह से आखिर तक बाहर नहीं निकल पाए। उधर, फ्रांस के लिए एकमात्र संतोष की बात यह रही कि तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबल में इंग्लैंड के हाथों 6-4 की हार में भी किलियन एम्बापे दो गोल दागकर 10 गोलों के साथ गोल्डन बूट का पुरस्कार जीतने में कामयाब रहे। मैस्सी जो सेमीफाईनल मुकाबलों तक 8 गोलों के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में अग्रणी थे, उनका गोलों और लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने का सफर यहीं पर थम गया। स्पेन की खिताबी जीत के साथ कप्तान रोड्रिगो हर्नांडेज को पूर टूर्नामेंट के दौरान 790 स्टीक पासेज के साथ अपनी टीम की विजय गाथा के अहम किरदार के रूप में 'गोल्डन बॉल' से नवाजा गया, वहीं उनाई सिमोन जिन्होंने स्पेनिश गोल के सजग प्रहरी की भूमिका में पूरे विष्व कप में अपनी टीम के खिलाफ मात्र एक ही गोल होने दिया, उनको 'गोल्डन ग्लव्ज' का हकदार करार दिया गया। स्पेन के क्यूबार्सी भी बेस्ट यंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे, मगर वास्तविकता में देखा जाए तो 19 वर्षीय लेमिन यमाल से लेकर, कुकुरेला, स्पेन के लिए सर्वाधिक 5 गोल करने वाले मिकेल ओयरबजाल ओर मिकेल मेरिनो सहित पूरी स्पेन टीम ने टोटल और तकनीकी फुटबाल का सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सभी नामी टीमों की चुनौतियों को जमींदोज करते हुए विश्व कप में महारत का लोहा मनवाया है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

जंतर-मंतर पर युवाओं के आक्रोश पर नई बहस

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को पिछले दिनों बड़ी राजनीतिक चुनौती का सामना करना पड़ा, जब हजारों युवा दिल्ली के जंतर मंतर पर पहुंचकर आंदोलन करने लगे। आंदोलन जंतर-मंतर पर ही नहीं रुका बल्कि दूसरे शहरों में भी फैल गया। सरकार ने प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ता तथा लद्दाख के शिक्षक सोनम वांगचुक से बात की। 28 जून से भूख हड़ताल पर बैठे वांगचुक ने केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह के आश्वासन पर अपना अनशन खत्म कर दिया। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद छात्रों का प्रदर्शन भी खत्म हो गया है।

आंदोलन के आरंभ में सरकार छात्रों की प्रमुख मांग यानी प्रधान के इस्तीफे पर झुकने को शायद तैयार नहीं थी। उधर छात्र उच्च शिक्षा सचिव को हटाए जाने के कदम से संतुष्ट नहीं थे। प्रधान और उनके मंत्रालय को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-यूजी (नीट-यूजी) के पेपर बार-बार लीक होने के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा था। इस परीक्षा के जरिये ही देश भर के सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में बच्चों को दाखिला मिलता है। नीट की शुरुआत 2016 में हुई थी और 2018 में स्वायत्त संस्था के रूप में पंजीकृत राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को न केवल नीट बल्कि देश भर में होने वाली अन्य परीक्षाएं कराने की भी जिम्मेदारी दे दी गई जैसे कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी)। यह केंद्रीकृत व्यवस्था जल्दबाजी में लागू की गई थी और इसे कारगर तथा पारदर्शी ढंग से चलाने की पर्याप्त क्षमता तथा विशेषज्ञता निश्चित रूप से नहीं थी।

बताया जाता है कि एनटीए में केवल 25 कर्मचारी हैं। परीक्षा केंद्र चलाने, आईटी बुनियादी ढांचा संभालने, प्रश्नपत्र बांटने तथा निगरानी करने (आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की मदद से निगरानी करना भी) जैसे इसके काम निजी कंपनियों से ठेके पर कराए जा रहे हैं। सवाल यह है कि जब सभी प्रमुख जिम्मेदारियां ठेके पर दूसरों को दी जा रही हैं तो केंद्रीकरण का औचित्य ही क्या है। अच्छी तरह काम करती आई व्यापक विकेंद्रीकृत व्यवस्था को छोड़कर ऐसी केंद्रीकृत व्यवस्था क्यों अपनाई जाए, जो विविधता, कई भाषाओं और कई तरह की संस्कृति वाले देश के लिए सबसे अच्छी नहीं हो सकती? अधिकार अपनी मुट्ठी में लेने की एक के बाद एक सरकारों की प्रवृत्ति ही हमारी मौजूदा समस्याओं का कारण बनी है। शिक्षा अत्यंत संवेदनशील मामला है क्योंकि इसमें हमारी युवा पीढ़ी का भविष्य दांव पर है। पेपर लीक, गलत मूल्यांकन और अपनी मर्जी से परिणाम बदल देने जैसी ज्यादातर खामियां जांच-पड़ताल किए और सख्त जवाबदेही तय किए बगैर निजी एजेंसियों से ठेके पर काम कराने का ही नतीजा हैं। जंतर मंतर पर युवाओं में जो आक्रोश दिखा वह बेवजह नहीं था और उसका समाधान होना चाहिए।

आधुनिक युग के परिप्रेक्ष्य में भारतीय जीवन शैली : परंपरा और प्रगति का संतुलन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

यतेन्द्र पाण्डेय
पत्रकार
@jagrukjanta.net

सादा जीवन, उच्च विचार केवल एक कहावत नहीं, बल्कि भारतीय जीवन शैली का मूल दर्शन रहा है। हजारों वर्षों से भारत ने संसार को यह संदेश दिया कि जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक उपलब्धियाँ नहीं, बल्कि मानसिक शांति, नैतिकता, परिवार, समाज और प्रकृति के साथ संतुलित संबंध भी है। आज जब पूरी दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डिजिटल क्रांति, उपभोक्तावाद और तीव्र प्रतिस्पर्धा के दौर से गुजर रही है, तब भारतीय जीवन शैली की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। भारत की पहचान उसकी विविधता, सहिष्णुता, संयुक्त परिवार व्यवस्था, योग, आयुर्वेद, अध्यात्म, प्रकृति के प्रति सम्मान तथा "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना से रही है। आधुनिकता ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन साथ ही अनेक नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं। ऐसे समय में प्रश्न यह है कि क्या आधुनिकता और भारतीयता साथ-साथ चल सकती हैं? उत्तर है–हाँ, यदि विकास के साथ मूल्यों का संतुलन बनाए रखा जाए।

आज का भारतीय समाज अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। स्मार्टफोन, इंटरनेट, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने जीवन की गति बदल दी है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवा वैश्विक अवसरों तक पहुँच रहे हैं और नई तकनीकों को अपनाकर नवाचार कर रहे हैं। यह परिवर्तन आवश्यक भी है, क्योंकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने के लिए आधुनिक ज्ञान और तकनीक अनिवार्य हैं।

किन्तु आधुनिक जीवन शैली के कुछ दुष्परिणाम भी स्पष्ट दिखाई देने लगे हैं। संयुक्त परिवारों का विघटन, बढ़ता अकेलापन, तनाव, अवसाद, उपभोक्तावाद, सोशल मीडिया की लत, अस्वास्थ्यकर खान-पान और पर्यावरण के प्रति उदासीनता सामाजिक चिंता का विषय बन चुके हैं। भौतिक सफलता की दौड़ में नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं का क्षरण दिखाई देता है। जीवन सुविधाजनक हुआ है, लेकिन संतोष और आत्मिक शांति का संकट भी बढ़ा है।

यही वह समय है जब भारतीय जीवन शैली दुनिया को एक संतुलित विकल्प प्रदान करती है। योग, ध्यान और आयुर्वेद को आज विश्वभर में स्वीकार्यता मिल रही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना इस बात का प्रमाण है कि भारतीय परंपराएँ केवल भारत की धरोहर नहीं, बल्कि वैश्विक मानवता के लिए भी उपयोगी हैं। संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, परिवार के प्रति उत्तरदायित्व और प्रकृति के साथ सामंजस्य भारतीय संस्कृति की अमूल्य देन हैं। भारतीय संविधान भी जीवन में समानता, बंधुत्व, न्याय और गरिमा जैसे मूल्यों को सर्वोच्च स्थान देता है। संविधान की प्रस्तावना तथा नागरिकों के मौलिक कर्तव्य हमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के साथ-साथ देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का भी दायित्व सौंपते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि आधुनिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। नई शिक्षा नीति 2020 भी इसी संतुलन पर बल देती है। इसमें भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार और तकनीकी दक्षता को समान महत्व दिया गया है। इसका उद्देश्य केवल नौकरी पाने वाले युवा तैयार करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार, संवेदनशील और संस्कारित नागरिक बनाना है। वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) भी भारतीय जीवन शैली के लिए अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है। यदि AI का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, न्याय और प्रशासन में जनहित के लिए किया जाए तो यह राष्ट्र निर्माण का शक्तिशाली माध्यम बन सकती है। लेकिन यदि तकनीक मनुष्य को परिवार, समाज और मानवीय संवेदनाओं से दूर कर दे, तो विकास अधूरा रह जाएगा। इसलिए तकनीक का उपयोग विवेकपूर्ण और मानवीय मूल्यों के साथ होना चाहिए। भारतीय जीवन शैली की सबसे बड़ी विशेषता उसकी समावेशिता है। यहाँ आधुनिकता को स्वीकार करने की क्षमता भी है और अपनी जड़ों से जुड़े रहने की शक्ति भी। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति हजारों वर्षों के उतार-चढ़ाव के बाद भी जीवित और प्रासंगिक बनी हुई है। आज आवश्यकता अंधानुकरण की नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण चयन की है–जहाँ विज्ञान भी हो, संस्कार भी; तकनीक भी हो, संवेदना भी; आर्थिक प्रगति भी हो और पर्यावरण संरक्षण भी। समाचार पत्रों, शिक्षण संस्थानों, परिवारों और सामाजिक संगठनों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि समाज में भारतीय जीवन मूल्यों, नैतिकता, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए तो आधुनिक भारत अधिक संतुलित और सशक्त बन सकता है।

ओपिनियन

आरक्षण के खिलाफ खड़ा करना होगा आंदोलन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अमित बैजनाथ गर्ग
पत्रकार
@jagrukjanta.net

हाल ही में एक जज ने आरक्षण पर बहुत महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जब माता-पिता पढ़े-लिखे हैं और अच्छी नौकरियों में हैं तथा उनकी अच्छी आमदनी भी हो रही है, तो उनके बच्चों को आरक्षण क्यों मिलना चाहिए? उन्होंने कहा कि आरक्षण का मकसद पिछड़े लोगों को आगे लाना था, ना कि पीढ़ी दर पीढ़ी परिवार के सभी सदस्यों को आरक्षण देना। अगर किसी परिवार में कोई व्यक्ति सरकारी नौकरी में लग गया है और उस परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर हो गई है, तो अन्य सदस्यों को आरक्षण क्यों दिया जाना चाहिए? जज की इस टिप्पणी के बाद एक बार फिर आरक्षण पर बहस छिड़ गई है और इसे पूरी तरह समाप्त करने की मांग जोर पकड़ रही है। आरक्षण का विरोध करने वालों का कहना है कि यह पूरी तरह से अप्रासंगिक व्यवस्था हो चुकी है और इसे अब जड़ से खत्म कर दिया जाना चाहिए।

हाल ही में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। इसमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग रखी गई, जो कि पूरी हो गई। इस प्रदर्शन के बाहर कुछ छात्रों ने आरक्षण हटाने की मांग की थी, लेकिन उनकी बात को अनसुना कर दिया गया। सीजेपी के नेता तो जय भीम के नारे लगा रहे थे, जिससे स्पष्ट था कि ये आरक्षण पर कुछ नहीं बोलेंगे। वहीं सीजेपी फाउंडर अभिजीत दिपके पर स्याही फेंकने वाली एक महिला का कहना था कि छात्रों की सबसे बड़ी समस्या आरक्षण है। इसकी वजह से प्रतिभाओं को नीट पास करने के बाद भी सरकारी कॉलेज मिलने में दिक्कत आती है, इसलिए आरक्षण पूरी तरह समाप्त किया जाना चाहिए। वहीं कुछ छात्रों ने प्रदर्शन के इतर टीवी चैनलों पर डिबेट में आरक्षण को पूरी तरह खत्म करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि आरक्षण की वजह से कई छात्रों का भविष्य खराब हो गया है। उन्हें सरकारी कॉलेज में एडमिशन भी नहीं मिल पाया है।

आजाद भारत में आरक्षण की शुरुआत लगभग सन 1950 से मानी जाती है। भारत का संविधान लागू होने के बाद अनुच्छेद 15 (4) और 16 (4) के तहत अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया। इसके बाद 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों के आधार पर तत्कालीन सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 फीसदी आरक्षण लागू किया। साल 1992 में सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा साहनी मामले में आरक्षण की कुल सीमा अधिकतम 50 प्रतिशत तय की और क्रीमीलेयर की अवधारणा जोड़ी। आरक्षण लागू होने के बाद लगभग हर सरकार इसकी सीमा बढ़ाने का काम करती रही। यह काम वोट बैंक की राजनीति को ध्यान में रखकर किया जा रहा था। सन 1992 तक कोई भी राजनीतिक दल एससी और एसटी के वोटों की फसल काटने से छोड़ना नहीं चाहता था। इसके लिए कोई भी दल देश को दांव पर लगाने से भी नहीं चूका।

हर तरह के आरक्षण को पूरी तरह समाप्त करने के लिए हमें सत्याग्रह का रास्ता अपनाते हुए सरकारों को मजबूर करना होगा, ताकि वे आरक्षण समाप्ति के लिए नियम बनाएं। यह काम जल्द से जल्द होना चाहिए। हमें यह बात समझनी होगी कि किसी जाति को बचाने से ज्यादा जरूरी देश को बचाना है। जातियां रहे या ना रहे, ये देश रहना चाहिए।

अभी कुछ समय पहले सेना के एक बड़े रिटायर्ड अफसर ने आरक्षण पर कठोर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि किसी के साथ पूर्व में कुछ शोषण हुआ है, तो क्या उसे अगले 700 या 7000 साल तक आरक्षण दिया जाना चाहिए? क्या वह आरक्षण मिलने पर ही पढ़ेगा और नौकरी लगेगा? क्या नौकरी लगने के बाद भी प्रमोशन में आरक्षण जैसी खराब व्यवस्था को लागू किया जाना सही है? आखिर इस तरह का अन्याय कब तक जारी रहना चाहिए? गौरतलब है कि भारतीय सेनाओं में आरक्षण नहीं है, जिसके कारण भारत की सेनाओं का लोहा पूरी दुनिया मानती है। यहां कोई भी व्यक्ति पढ़-लिखकर अफसर से लेकर सैनिक बन सकता है। उसे सेना के नियमों को पूरा करना होता है। इनमें किसी भी तरह का कोई आरक्षण नहीं है। एक्सपर्ट कहते हैं कि सेना में आरक्षण इसलिए लागू नहीं किया गया, क्योंकि इससे सेना के कमजोर होने का खतरा था। अब सवाल यह है कि फिर देश में आरक्षण लागू क्यों किया गया? क्या देश के कमजोर होने का खतरा नहीं था?

अब बात करते हैं कि आरक्षण से देश को क्या मिला? अंबेडकर ने सामाजिक न्याय के नाम पर आरक्षण की वकालत की। उन्होंने शुरुआत में 10 साल के लिए आरक्षण का प्रावधान करने और फिर उसकी समीक्षा करने की बात कही। आरक्षण लागू तो हो गया, लेकिन उसकी समीक्षा आज तक नहीं हुई। इसके उलट राजनीतिक दलों की ओर से इसे लगातार बढ़ाया जाता रहा। देश में राजनीति और सरकारी नौकरियों में आरक्षण लागू है। आज इन्हीं दोनों क्षेत्रों की हालत सबसे ज्यादा खराब है। आरक्षण की वजह से अधिकतर कमजोर नेता और अधिकतर अयोग्य नौकरशाही देश को चला रही है और पढ़ा-लिखा व्यक्ति मूकदर्शक बने रहने को मजबूर है। स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल तो और भी ज्यादा खराब है। एक वैश्विक स्वास्थ्य संगठन का कहना कि भारत के 56 प्रतिशत से ज्यादा डॉक्टर अयोग्य हैं। न तो इनकी पढ़ाई पूरी है और ना ही प्रैक्टिस। ये 56 प्रतिशत लोग आरक्षण और भारी-भरकम डोनेशन देकर डॉक्टर बनने वाले लोग हैं। खेलों में आरक्षण नहीं है, तो भारत के खिलाड़ियों का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आरक्षण को खत्म कैसे किया जाए? पहली बात तो यह है कि आरक्षण की समीक्षा करने का समय बहुत पहले ही खत्म हो चुका है, जो कि कभी की ही नहीं गई। दूसरी बात यह है कि अब आरक्षण को लागू करने की कोई भी गली नहीं निकाली जा सकती। अब तो हर तरह के आरक्षण को पूरी तरह खत्म करना ही होगा। सिर्फ इतना किया जा सकता है कि जो भी कमजोर छात्र है, चाहे वह किसी भी जाति या वर्ग का हो, उसकी पूरी शिक्षा निशुल्क कर दी जाए। इससे ज्यादा कोई रियायत नहीं दी जा सकती। राजनीति, नौकरी या अन्य किसी भी क्षेत्र में किसी भी तरह का आरक्षण नहीं हो सकता।

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 29/07/2026

सूर्योदय : 05:53 **सूर्यास्त :** 19:12 **चन्द्रोदय :** 19:18 **चन्द्रास्त :** 05:16
शक सम्वत : 1948 पराभव **विक्रम संवत् :** 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना :** आषाढ़ा **पूर्णिमांत :** आषाढ़ा **सूर्य राशि :** कर्क **चन्द्र राशि :** मकर
पक्ष : शुक्ल **तिथि :** पूर्णिमा, 20:02 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** वर्षा
द्रिक-वैदि अयन : दक्षिणायन

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : उत्तराषाढ़ा, 15:26 तक
योग : प्रीति, 23:55 तक
प्रथम करण : विष्टि, 07:14 तक
द्वितीय करण : बावा, 20:02 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:17 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:38 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:43 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:14 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:14 पी एम से
अमृत काल	08:34 ए एम से
निशिता मुहूर्त	12:07 ए एम, जुलाई 30 से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : चन्द्र
चन्द्रवास : दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 05:52 - 07:32	उद्वेग : 19:11 - 20:32
अमृत	: 07:32 - 09:12	शुभ : 20:32 - 21:52
काल काल वेला	: 09:12 - 10:52	अमृत : 21:52 - 23:12
शुभ	: 10:52 - 12:32	चर : 23:12 - 00:32
रोग वार वेला	: 12:32 - 14:12	रोग : 00:32 - 01:52
उद्वेग	: 14:12 - 15:52	काल : 01:52 - 03:12
चर	: 15:52 - 17:32	लाभ : 03:12 - 04:33
लाभ	: 17:32 - 19:11	उद्वेग : 04:33 - 05:53

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज पूर्णिमा

आज कौन सा कार्य करें

पूर्णमासी को विवाह, शिल्प, मंगल कार्य, संग्राम, वास्तु कर्म, यज्ञ क्रिया, प्रतिष्ठा आदि कार्य कर सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आषाढ़, शुक्ल, पूर्णिमा, 2083 बुधवार, 29 जुलाई - 4 जुलाई, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

किसानों के लिए फसल बीमा पूर्णतः स्वैच्छिक—खरीफ में 31 जुलाई और रबी में 31 दिसंबर तक करा सकेंगे बीमा

41 जिलों में 25 फसलों का होगा बीमा कवरेज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने किसानों को प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल मौसम से होने वाले फसल नुकसान से आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को खरीफ 2026 एवं रबी 2026-27 के दो फसल मौसम के लिए प्रदेश में लागू किया है। भारत सरकार की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की परिचालन मार्गदर्शिका-2023, समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों तथा राज्य स्तरीय समन्वय समिति फसल बीमा की बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुरूप जारी अधिसूचना के तहत योजना का क्रियान्वयन राज्य के पूर्व के 41 जिलों के आधार पर किया जाएगा। योजना के तहत खरीफ मौसम में बाजरा, ज्वार, मक्का, मूंग, मोठ, ग्वार, चंवला, उड़द, अरहर, सोयाबीन, तिल, धान, कपास एवं मूंगफली सहित 14 फसलों तथा रबी मौसम में गेहूं, जौ, चना, सरसों, तारामीरा, जीरा, धनिया, ईसबगोल, मेथी, रबी मक्का एवं मसूर सहित 11 फसलों को अधिसूचित किया गया है। इन फसलों के लिए बीमा इकाई क्षेत्र तहसील एवं पटवार मंडल निर्धारित किया गया है।

किसानों के लिए फसल बीमा पूरी तरह स्वैच्छिक

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत ऋणी, गैर-ऋणी एवं पात्र बंटाईदार किसान अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा करा सकेंगे। फसल बीमा करवाना किसानों के लिए पूर्णतः स्वैच्छिक है। ऋणी किसान यदि योजना से बाहर रहना चाहते हैं तो उन्हें खरीफ के लिए 24 जुलाई तथा रबी के लिए 24 दिसंबर तक संबंधित वित्तीय संस्था में निर्धारित घोषणा-पत्र प्रस्तुत करना होगा। अन्यथा उन्हें योजना में सम्मिलित माना जाएगा। गैर-ऋणी किसान खरीफ के लिए 31 जुलाई 2026 तथा रबी के लिए 31 दिसंबर 2026 तक नजदीकी बैंक शाखा, केन्द्रीय सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, वाणिज्यिक बैंक, डाकघर अथवा सीएससी के माध्यम से फसल बीमा करा सकेंगे। इसके अतिरिक्त अधिकृत बीमा एजेंट/मध्यस्थ तथा राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल के माध्यम से भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत बीमा कराया जा सकेगा।

देना होगा मामूली प्रीमियम

योजना के तहत खरीफ फसलों के लिए बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत, रबी फसलों के लिए 1.5 प्रतिशत तथा वार्षिक वाणिज्यिक एवं बागवानी फसलों के लिए 5 प्रतिशत प्रीमियम किसान द्वारा वहन किया जाएगा। निर्धारित सीमा से अधिक प्रीमियम राशि का भार केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा नियमानुसार वहन किया जाएगा।

प्राकृतिक आपदाओं से फसल नुकसान पर बीमा सुरक्षा

योजना में कम वर्षा एवं प्रतिकूल मौसम के कारण बाधित अथवा निष्फल बुवाई, खड़ी फसल में सूखा, लंबी सूखा अवधि, बाढ़, जलप्लावन, कीट एवं रोग, भूस्खलन, बिजली गिरने से प्राकृतिक आग, तूफान, ओलावृष्टि एवं चक्रवात से होने वाले नुकसान को बीमा सुरक्षा प्रदान की गई है। फसल कटाई के बाद खेत में सुखाने के लिए काटकर रखी गई फसल को चक्र वात, चक्रवाती वर्षा, असामयिक वर्षा एवं ओलावृष्टि से होने वाले नुकसान के लिए भी अधिकतम 14 दिवस तक व्यक्तिगत आधार पर बीमा सुरक्षा उपलब्ध होगी।

72 घंटे में नुकसान की सूचना जरूरी

फसल कटाई उपरांत नुकसान की स्थिति में प्रभावित किसान को घटना के 72 घंटे के भीतर कृषि रक्षक पोर्टल, हेल्पलाइन vyyy|, Crop Insurance App अथवा लिखित रूप में संबंधित बैंक या कृषि विभाग के अधिकारियों को सूचना देनी होगी। निर्धारित समय में सूचना नहीं दे पाने की स्थिति में किसान को अधिकतम सात दिवस के भीतर निर्धारित प्रपत्र में बीमा कंपनी को पूर्ण सूचना उपलब्ध करानी होगी।

बाधित एवं निष्फल बुवाई पर बीमित राशि का 25 प्रतिशत तक मुआवजा

खरीफ मौसम में कम वर्षा अथवा प्रतिकूल मौसम के कारण यदि किसी अधिसूचित इकाई क्षेत्र में प्रमुख फसल के 75 प्रतिशत या अधिक क्षेत्र में किसान बुवाई नहीं कर पाते अथवा बाधित/निष्फल बुवाई की स्थिति उत्पन्न होती है, तो योजना प्रावधानों के अनुसार पात्र किसानों को बीमित राशि के 25% तक क्षतिपूर्ति देय होगी। इस प्रावधान को निर्धारित समय-सीमा में राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाना जरूरी होगा।

गेहूं एवं सोयाबीन के लिए YES-TECH तकनीक

राज्य में तकनीक आधारित फसल उपज आकलन को बढ़ावा देते हुए भारत सरकार की YES-TECH (Yield Estimation System Through Technology) गाइडलाइन के अनुरूप 5,000 हेक्टेयर से अधिक बुवाई क्षेत्र वाले जिलों में गेहूं एवं सोयाबीन के लिए फसल कटाई प्रयोगों से प्राप्त उपज को 50 प्रतिशत तथा तकनीकी उपज को 50 प्रतिशत भार देकर उपज का आकलन किया जाएगा। इससे फसल बीमा दावों के निर्धारण में आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक आंकड़ों का उपयोग सुनिश्चित होगा।

सहायक कृषि अनुसंधान अधिकारी एवं कृषि पर्यवेक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों की पात्रता जांच व दस्तावेज सत्यापन कार्यक्रम जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि विभाग द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए सहायक कृषि अनुसंधान अधिकारी (शस्य), सहायक कृषि अनुसंधान अधिकारी (कृषि रसायन) एवं कृषि पर्यवेक्षक पदों के अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्यक्रम जारी किया गया है। विभाग के अनुसार सहायक कृषि अनुसंधान अधिकारी (शस्य) के 42 अभ्यर्थियों तथा सहायक कृषि अनुसंधान अधिकारी (कृषि रसायन) के 117 अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य 31 जुलाई, 2026 को किया जाएगा। वहीं, कृषि पर्यवेक्षक के 2239 अभ्यर्थियों का पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन कार्य 3 अगस्त से 17 अगस्त, 2026 तक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपादित किया जाएगा।

दस्तावेज सत्यापन कॉन्फ्रेंस हॉल, राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में किए जाएंगे। पात्रता जांच के दौरान अभ्यर्थियों के शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों, आरक्षण संबंधी दस्तावेजों, अनुभव प्रमाण-पत्र (जहां लागू हो) सहित अन्य आवश्यक अभिलेखों का नियमानुसार परीक्षण एवं सत्यापन किया जाएगा। पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद भर्ती से संबंधित आगामी कार्रवाई निर्धारित नियमों एवं प्रचलित प्रावधानों के अनुसार की जाएगी। इससे भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं नियमानुसार आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है विस्तृत कार्यक्रम

पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन से संबंधित विस्तृत कार्यक्रम, अभ्यर्थियों की सूची तथा प्रस्तुत किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। संबंधित अभ्यर्थी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://agriculture.rajasthan.gov.in पर जाकर निर्धारित कार्यक्रम एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों का अवलोकन कर सकते हैं।

संस्कृति चिल्ड्रन्स एकेडमी में श्रीराम के आदर्शों पर प्रेरक संवाद, विद्यार्थियों में संस्कार जागरण का संकल्प

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। संस्कृति चिल्ड्रन्स एकेडमी में वरिष्ठ समाजसेवी नगेन्द्र वशिष्ठ, शिक्षाविद् कन्हैया लाल लखवानी , समाजसेवी लोकचंद हरिरामानी, शंकर शर्मा एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का स्नेहिल आगमन हुआ। इस अवसर पर "अनुकरणीय आदर्श प्रभु श्रीराम- हिन्दी-अंग्रेजी संवाद" पुस्तक पर सारगर्भित चर्चा आयोजित की गई। चर्चा के दौरान नगेन्द्र वशिष्ठ एवं कन्हैया लाल लखवानी ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों को प्रभु श्रीराम के आदर्शों, भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं चरित्र निर्माण से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संस्कृति चिल्ड्रन्स एकेडमी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विद्यालय के सचिव आयुष शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि "अनुकरणीय आदर्श प्रभु श्रीराम- हिन्दी-अंग्रेजी संवाद" पुस्तक में निहित प्रेरणादायी विचारों को विद्यालय की प्रार्थना सभाओं, गतिविधियों एवं विशेष संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुँचाया जाएगा, ताकि भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की मजबूत नींव तैयार हो सके।

राम कथा का पोस्टर विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर कृष्णा कॉलोनी स्थित श्री मंगलमुखी हनुमान मंदिर आश्रम के साकेतवासी महामंडलेश्वर योगीराज श्री रघुवीर दास महाराज की प्रथम पुण्यतिथि के शुभ अवसर पर 25 अगस्त से 3 सितंबर तक होने वाली मूर्ति अनावरण एवं नव दिवसीय राम कथा का आयोजन कार्यम के पोस्टर का विमोचन महंतश्री रामानंद दास महाराज ने किया।विमोचन कार्यम में मन्दिर के पुजारी रामलोचन दास महाराज,डॉ रामप्रकाश दास महाराज, डॉ दयानंद दास महाराज, आचार्य रोहन महाराज, विजय राम दास महाराज, विष्णु दास महाराज,मिट्ठू दास महाराज आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं शारदा शिक्षा समिति द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

शिविरों से आमजन को मिलता है लाभ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (NIA) एवं शारदा शिक्षा एवं विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 26 जुलाई 2026 को यूथ हॉस्टल, विधानसभा के पास, जयपुर में एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार प्रवीण गुप्ता ने भी आमजन को मिल रही आयुर्वेद के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया।

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि "आयुर्वेद हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, जो बीमारियों को जड़ से समाप्त करने में सक्षम है। ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों से आमजन और ज़रूरतमंदों को बहुत लाभ मिलता है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. गोपेश मंगल ने बताया इस एकदिवसीय शिविर में राट्रीय आयुर्वेद संस्थान के पंचकर्म विभाग के डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम द्वारा मरीजों को निःशुल्क सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श एवंआयुर्वेदिक औषधि वितरण किया गया। शिविर में आयुर्वेदिक जीवनशैली एवं आहार-विहार संबंधी सलाह दिव्यांगजनों के लिए विशेष चिकित्सा परामर्श दिया गया। बड़ी संख्या में आम जन के साथ राजस्थान सरकार के प्रशासनिक अधिकारियों ने भी शिविर में स्वास्थ्य लाभ उठाया।

शिविर में वरिष्ठ आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ गुंजन गर्ग एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के पंचकर्म विभाग से डॉ रविंद्र यादव, डॉ अभिषेक रंजन, डॉ शुभेच्छा, डॉ लक्ष्मी शर्मा, मिथलेश, मुकेश लाटा, त्रिलोक ने स्वास्थ्य सेवाएं दी। शारदा शिक्षा एवं विकास समिति संस्था के अध्यक्ष आर. एस. कटारा (एडवोकेट), उपाध्यक्ष कीर्तिका शर्मा (एडवोकेट) तथा सचिव नीलम शर्मा ने आए हुए सभी अतिथियों, डॉक्टरों की टीम एवं सम्मानित नागरिकों का आभार व्यक्त किया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने पहुंचकर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व निःशुल्क दवाइयों का लाभ उठाया।

व्यंग्यकार गोस्वामी सरोज कुमारी केदारनाथ व्यंग्य पुरस्कार से सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/डीग। व्यंग्यकार प्रभात गोस्वामी को सोमवार को श्री हिंदी पुस्तकालय समिति, डीग द्वारा सरोज कुमारी केदारनाथ माहेश्वरी हिंदी भाषा व्यंग्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार स्वरूप उन्हें शाल, श्रीफल, सम्मान पत्र के साथ 11 हज़ार रुपए की राशि अर्पित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमृत लाल मीना,पूर्व मुख्य सचिव, बिहार एवं केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में गठित परीक्षा सुधार पर उच्च स्तरीय कार्य बल के सदस्य थे। अध्यक्षता सिद्धपीठ पीठाधीश्वर डॉ कौशल किशोर जी महाराज ने की जबकि विशिष्ट अतिथि डीग के जिला पुलिस अधीक्षक कांबले शरण गोपीनाथ एवं ब्रज भाषा की सचिव डॉ लता श्रीमाली थीं। श्री हिंदी पुस्तकालय समिति डीग, उत्तर भारत की लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था है। संस्था द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर साहित्य की विभिन्न विधाओं के लेखकों को अपने सौ वें स्थापना दिवस पर समिति के सभागार में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। समिति के प्रधान मंत्री कृष्ण कुमार मुदगल,साहित्य मंत्री एवं संयोजक सुरेन्द्र शर्मा 'सार्थक' एवं सभापति मानसिंह यादव सहित डीग के गणमान्यजन की उपस्थिति में देश के विभिन्न राज्यों से आए साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

रुद्राभिषेक 9 अगस्त को

जयपुर @ जागरूक जनता। सर्व समाज सेवा समिति द्वारा विशेष पार्थिव रुद्राभिषेक का आयोजन 9 अगस्त को किया जाएगा। आयोजन श्री नर्वदेश्वर महादेव मंदिर विद्याधर नगर स्टेडियम पर आयोजित किया जाएगा। रुद्राभिषेक में 31 जोड़े शामिल किए जायेंगे। सर्व समाज सेवा के अध्यक्ष तेज प्रकाश तुलसी सोनी ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इसमें जोड़े का होना आवश्यक नहीं है। इसमें परिवार के अन्य सदस्य भी शामिल हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 7014158219,, 9352637282 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

अनुकरणीय आदर्श प्रभु श्री राम का विद्यालय में हुआ अनावरण

जयपुर @ जागरूक जनता। राजकीय इंग्लिश मीडियम सीनियर सेकेंडरी स्कूल मुरलीपुरा में अनुकरणीय आदर्श प्रभु श्री राम पर भारतीय संस्कृति शिक्षा पर शाला प्रधान एवं शिक्षकों के साथ परिचर्चा हुई जिसमें संस्कृति एवं हिंदी अंग्रेजी भाषा को सुदृढ़ करने की दिशा में छात्रों ने भी भाग लिया आदर्श प्रभु श्री राम पुस्तक संत बाबा मेहर दास ट्रस्ट ने निःशुल्क शाला को भेंट की। शिक्षकों ने पुस्तक के प्रेरणादायक विचारों को शाला की गतिविधियों एवं विशेष संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों मे पहुंचने के सार्थक प्रयासों का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में, शाला प्रधान के साथ शिक्षकों में एवं पुस्तक के प्रकाशन मंडल सदस्यों के रूप में कन्हैया लाल लखवानी, लोकचंद हरिरामानी, भवानी सिंह राठौड़, नगेन्द्र वशिष्ठ ने भाग लिया।

टिल्स संस्थान व सीख सोसाइटी के शिविर में 43 यूनिट रक्त संग्रहित

भीलवाड़ा @ जागरूक जनता। टिल्स संस्थान एवं सीख सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में 43 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 43 यूनिट रक्तदान किया। शिविर के सफल आयोजन में अरिहन्त हॉस्पिटल की चिकित्सा टीम एवं टिल्स संस्थान की टीम व सीख सोसाइटी का विशेष योगदान रहा। संस्थान के अभिलाष मोदी ने बताया कि संस्था पिछले सात वर्षों से अरिहन्त हॉस्पिटल के सहयोग से नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि जब भी संस्था या उसके सदस्यों को रक्त की आवश्यकता होती है, अरिहन्त हॉस्पिटल समय-समय पर रक्त उपलब्ध कराकर सहयोग करता है। इस रक्तदान के सफल आयोजन में प्रतीक अग्रवाल, दिव्यांशी शुक्ला, पलक गोखरू का महत्वपूर्ण योगदान रहा। संस्थान के अभिषेक कांकरिया ने बताया कि इस बार रक्तदान शिविर की सबसे प्रेरणादायक बात यह रही कि लगभग 30 युवाओं ने पहली बार रक्तदान किया। प्रथम बार रक्तदान करने वाले युवाओं ने बताया कि रक्तदान के बाद उन्हें किसी प्रकार की कमजोरी या असुविधा महसूस नहीं हुई। सीख सोसाइटी द्वारा रक्तदाताओं को बर्ड हाउस भी भेंट किए गए।

माउंट आबू होटल एसोसिएशन के द्वारा किया गया वृक्षारोपण

माउंट आबू @ जागरूक जनता। सीआरपीएफ के डीआईजी आवास बंगलों के निकट मार्ग पर मंगलवार को होटल एसोसिएशन ऑफ माउंट आबू के द्वारा वृक्षारोपण का अभियान चलाया गया। यहां पर पूरे मार्ग पर करंज के पेड़ लगाए गए। उल्लेखनीय है कि पूरे मानसून सीजन में होटल एसोसिएशन ऑफ माउंट आबू के द्वारा निरंतर वृक्षारोपण का अभियान संचालित किया जा रहा है और शहर के सभी खाली पड़ी हुई जगह पर विभिन्न प्रजातियों के पेड़ लगाए जा रहे हैं जो माउंट आबू के प्राकृतिक वातावरण से मेल खाते हों। इस अवसर पर होटल एसोसिएशन ऑफ माउंट आबू के संरक्षक सुधीर जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार का जो वृक्षारोपण हमने किया है वह सीआरपीएफ के आईजी व निदेशक आंतरिक सुरक्षा अकादमी दर्शन लाल गोला के सेवानिवृत्ति के अवसर पर किया गया है। उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई को आईजी दर्शन लाल गोला यहीं माउंट आबू से सेवानिवृत हो रहे हैं। तो उनकी यादगार इन पेड़ों के रूप में इस मार्ग पर सदैव बनी रहेगी। इस अवसर पर होटल एसोसिएशन के पदाधिकारी के साथ सीआरपीएफ से डिप्टी कमांडेड शिवराज सिंह चौहान और डिप्टी कमांडेंट महेंद्र सिंह भाटी व शिशपाल यादव उपस्थित रहे ।

बादशाह विटामिन B-12

हमारे शरीर के लिए हर विटामिन और सभी तरह के मिनरल्स अहम होते हैं, लेकिन इनमें भी कुछ ज्यादा ज़रूरी होते हैं। विटामिन बी-12 ऐसा ही बेहद खास विटामिन है जिसकी ज़रूरत गर्भ में पल रहे शिशु से लेकर बड़े होने तक जिंदगी के हर पड़ाव पर होती है। ब्रेन के विकास से लेकर नसों के सही तरीके से काम करने तक में इस विटामिन की भूमिका है। इसकी कमी से क्या-क्या परेशानियां हो सकती हैं? इसके बेहतरीन सोर्स कौन-से हैं? विटामिन सप्लीमेंट्स ज्यादा खा लेने से क्या परेशानी हो सकती है? देश के बेहतरीन एक्सपर्ट्स से बातकर जानकारी दे रहा है जागरूक जनता। नोट: किसी भी प्रकार का प्रयोग करने से पहले चिकित्सकीय सलाह अवश्य ले लें।

वैसे तो कार्बोहाइड्रेट्स (रोटी, चावल आदि), प्रोटीन (पनीर, चिकन, एग आदि) और फैट (घी, बटर आदि) की तुलना में शरीर को विटामिन की जरूरत बहुत कम मात्रा में होती है, लेकिन इसकी कमी से कई बड़ी परेशानियां हो जाती हैं। इसलिए विटामिन के बारे में यह कह सकते हैं कि 'देखन में छोटे लगै, घाव करै गंभीर'। हमें करीब 13 तरह के विटामिन की जरूरत होती है। इनमें विटामिन B-कॉम्प्लेक्स का नाम खास है। विटामिन B-12 जिसे सायनोकोबालामिन/मिथाइलकोबालामिन (Cyanocobalamin/Methylcobalamin) भी कहते हैं, यह विटामिन B-कॉम्प्लेक्स सीरीज का आखिरी विटामिन है, लेकिन सेहत के लिए अहम कड़ी। विटामिन B-कॉम्प्लेक्स 8 तरह के होते हैं: 1. B1, 2.B2, 3.B3, 4.B5, 5. B6, 6.B7, 7.B9 **और विटामिन-B12।**

पानी में घुलने के आधार पर विटामिन की होती हैं 2 अलग-अलग कैटिगरी:

1. पानी में घुलनशील

विटामिन-B और विटामिन-C इस कैटिगरी में आते हैं। इन विटामिन को शरीर अमूमन स्टोर नहीं कर पाता। इसलिए हर दिन की डाइट में शामिल करना चाहिए। आलू, भिंडी, परवल, घीया आदि को काटकर धोने या ज्यादा फ्राई करने से इसलिए मना किया जाता है क्योंकि इनमें मौजूद विटामिन-B कॉम्प्लेक्स (सिर्फ विटामिन B-12 को छोड़कर) और विटामिन C पानी में घुलकर या ज्यादा फ्राई करने से भी खत्म हो जाते हैं। इसलिए ऐसी सब्जियों को धोने के बाद ही काटना चाहिए।

2. पानी में न घुलने वाले विटामिन

ये हैं विटामिन A, D, E और K जो पानी में नहीं घुलते। ये विटामिन अमूमन फैट में आसानी से घुल जाते हैं।

B-12 कम तो परेशानी

- विटामिन B-12 दूसरे विटामिनों की तरह नहीं है। इसका सोर्स हमारी डाइट ही है। इसलिए सही डाइट अहम है। खराब खानपान से कई तरह की परेशानियां पैदा होती हैं।
- यह हमारे शरीर की कोशिकाओं के जेनेटिक मटीरियल DNA और RNA के निर्माण में मदद करता है। अगर इस विटामिन की कमी होती है तो कोशिकाएं सही से विभाजित नहीं हो पाती। इससे शरीर में RBC (रेड ब्लड सेल्स) यानी खून की कमी होने लगती है। इस स्थिति को मेगालोब्लास्टिक एनीमिया (megaloblastic anemia) कहते हैं। इसमें RBC की संख्या कम हो जाती है, लेकिन अविकसित RBC का आकार बड़ा हो जाता है। ऐसे में खून अपना काम नहीं कर पाता।
- इस एनीमिया में ब्लड सही तरीके से ऑक्सीजन को दूसरे अंगों तक नहीं पहुंचा पाता। इससे कई तरह की परेशानियां होती हैं। दूसरे अंग सही तरीके से काम नहीं कर पाते।
- यह विटामिन हमारे नर्वस सिस्टम (तंत्रिका तंत्र यानी नसों) के लिए बेहद जरूरी है। यह ब्रेन के लिए भी अहम है और हमारी स्पाइनल कॉर्ड (रीढ़ की हड्डी के साथ मौजूद नर्व सेल) के लिए भी। इसकी कमी से नर्व्स (तंत्रिका कोशिका) के ऊपर जरूरी myelin sheath (माइलिन शीथ) की परत कमजोर हो जाती है। इससे शरीर में संवेदना में कमी, सुन्नपन, झनझनाहट, कमजोरी, भ्रम, चक्कर, मांसपेशियों में दर्द जैसी समस्याएं हो जाती हैं।
- यह शरीर में एनर्जी पैदा करने के लिए भी अहम है। इसकी कमी से जल्दी थकान और कमजोरी आ जाती है।
- ऐसा देखा गया है कि विटामिन B-12 की कमी से डिमेंशिया (भूलने की बीमारी) के लक्षण भी दिखने लगते हैं। यही नहीं, डिप्रेशन जैसे लक्षण भी उभर सकते हैं।
- बैलंस बिगड़ने की स्थिति बन सकती है। इससे चलने में परेशानी हो सकती है।
- कई लोगों में जब इस विटामिन की कमी होती है तो वे वॉशरूम में मुंह धोने के दौरान आंखें बंद करते ही अपना बैलंस खो देते हैं और गिर जाते हैं। इसे 'वॉशबेसिन अटैक' भी कहा जाता है।
- प्रेग्नेंसी में भ्रूण विकास में B-12 और फोलेट (यह विटामिन B-9 का ऐक्टिव रूप है जो हरी सब्जियों में मिलता है) दोनों जरूरी होते हैं ताकि न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट्स (नसों से जुड़ी बीमारी) न हो। सीधे कहें तो गर्भ में पल रहे बच्चे का ब्रेन विकसित होने में भी इस विटामिन की अहम भूमिका होती है।
- बालों, स्किन आदि की मरम्मत के लिए भी जरूरी है।

ज्यादा B-12 से भी दिक्कतें

कई लोग ब्लड टेस्ट कराए बिना ही सप्लिमेंट शुरू कर देते हैं। यह गलत है। अगर किसी के खून में B-12 का स्तर सही है तो उसे सप्लिमेंट या इंजेक्शन लेने की जरूरत नहीं है। वह डाइट से इसे बैलंस करने की कोशिश कर सकता है। दरअसल, अतिरिक्त B-12 को या तो शरीर लिवर में स्टोर कर लेता है या फिर यूरिन के जरिए बाहर कर देता है। फिर भी यह मुमकिन है कि ज्यादा सप्लिमेंट लेने से इसका स्तर बढ़ जाए। ऐसे में कुछ लक्षण उभर सकते हैं, जैसे- लूज मोशंस हो सकते हैं, सिर दर्द की लगातार परेशानी या कोई एलर्जी हो सकती है।

किसे कितना चाहिए हर दिन?

सामान्य शख्स	2.4-2.8mcg
प्रेग्नेंट महिला	2.6mcg
फीड कराने वाली मां	2.8mcg
सप्लिमेंट में	500mcg-1500mcg
इंजेक्शन आमतौर पर	1000mcg ससाह या महीना

नोट: सप्लिमेंट लेने की जरूरत तब पड़ती है जब किसी शख्स में इसकी बहुत ज्यादा कमी हो। इस कमी का पता ब्लड टेस्ट से चल जाता है। इसके लिए Vit. B-12 टेस्ट करा सकते हैं। वहीं, इंजेक्शन का फैसला डॉक्टर तब लेते हैं जब यह देखा जाता है कि सप्लिमेंट लेने के बाद भी B-12 का लेवल ठीक नहीं हो रहा है, बहुत कम है यानि उस शख्स का शरीर सप्लिमेंट के रूप में मौजूद इस विटामिन को जज्ब नहीं कर रहा है।

एक्सपर्ट पैनल

डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा
एसो. प्रोफेसर
DSRRAU, जोधपुर

डॉ. दलजीत सिंह
VC एंड हेड न्यूरो सर्जरी, MAX स्मार्ट

परमीत कौर
चीफ डाइटिशन, AIIMS

डॉ. बिंदिया गुप्ता
Ob-Gyne, GTB हॉस्पिटल

डॉ. अंशुल वार्ष्णेय
सीनियर कंसल्टेंट, फिजिशन

नीलांजना सिंह
सीनियर डाइटिशन

खास बातें... 6

1. एक सामान्य शख्स में विटामिन B-12 का सामान्य स्तर 200-900 पिकोग्राम प्रति मिलीलीटर (pg/ml) के बीच होना चाहिए।
2. एक सामान्य शख्स को हर दिन 2.4-2.8 माइक्रोग्राम (mcg) विटामिन B-12 चाहिए। इसलिए डाइट भी इसी के अनुसार हो।
3. कई बार B-12 को सप्लिमेंट के रूप में लेने पर भी शरीर में इसकी मात्रा नहीं बढ़ती, वजह शरीर द्वारा इसे जज्ब करने की क्षमता में कमी है।
4. जब किसी शख्स का शरीर B-12 को जज्ब नहीं कर पाता और इसका लेवल बहुत कम हो जाता है तो इंजेक्शन देना पड़ता है।
5. प्रेग्नेंसी के दौरान गर्भ में पल रहे बच्चे के ब्रेन के विकास में विटामिन B-12 और B-9 की अहम भूमिका होती है।
6. नसों के सही तरीके से काम करने के लिए भी विटामिन B-12 और विटामिन B-9 की जरूरत होती है। ये दोनों ही अहम हैं।

इमरजेंसी के लिए लिवर में होता है स्टोर

विटामिन B-12 को छोड़कर हमारे शरीर में पानी में घुलने वाला कोई भी विटामिन स्टोर नहीं होता, चाहे वह विटामिन B-ग्रुप का हो या फिर विटामिन-C हो। इसी से पता चलता है कि यह विटामिन हमारे लिए कितना जरूरी है। कुदरत को यह पता है कि इसकी कमी से शरीर को बड़ा नुकसान हो सकता है, इसलिए इसे लिवर में स्टोर करने की व्यवस्था की है। यह कई महीनों से लेकर कुछ बरसों तक लिवर में जमा रह सकता है। यह इमरजेंसी स्टोरेज की तरह है। जब शरीर को लंबे समय तक डाइट से B-12 नहीं मिलता तो इमरजेंसी की स्थिति यानी DNA, RNA आदि में जेनेटिक मटीरियल बनाने में, नर्वस सिस्टम के सुचारू रूप से काम करने के लिए लिवर में स्टोर हुए इस विटामिन का इस्तेमाल होता है। जब स्टोर किए गए विटामिन B-12 का उपयोग भी लगातार होता रहता है, लेकिन हम डाइट से इसकी पूर्ति नहीं करते तब इसकी कमी के लक्षण दिखने लगते हैं। लेकिन ये लक्षण दिखने में भी कई साल लग जाते हैं।

सप्लिमेंट और इंजेक्शन कब?

अगर बिना सप्लिमेंट के नॉर्मल स्तर रहे तो अलग से कुछ लेने की जरूरत नहीं यानि डाइट से लेते रहें।

सप्लिमेंट: जब डाइट से इस विटामिन की पूर्ति न हो पा रही हो, कमी के कुछ लक्षण उभर रहे हों और लेवल 100 pg/ml से कम होने लगे।

इंजेक्शन : जब B-12 का स्तर कम होते हुए 50 pg/ml से भी नीचे चला गया हो और बड़े लक्षण उभर रहे हों। कई डॉक्टर मरीज की स्थिति को देखते हुए इस स्तर से पहले भी सप्लिमेंट या इंजेक्शन के लिए कह सकते हैं। यहां ध्यान दें कि सप्लिमेंट और इंजेक्शन डॉक्टर की सलाह से ही लें।

B-12 कम होने की 8 वजहें

डाइट: कई लोग यह मानते हैं कि सीड्स, नट्स आदि खाने से इसकी पूर्ति हो जाती है, जबकि ऐसा नहीं है। ये चीजें दूसरे विटामिन और मिनरल्स का अच्छा सोर्स हैं पर इनमें B-12 न के बराबर होता है। वहीं, मौसमी हरी सब्जियों, फलों आदि में भी इसकी मौजूदगी न के बराबर होती है। सब्जियों और फलों में फाइबर व दूसरे विटामिन अच्छी मात्रा में होते हैं। इन्हें खाने से हमारा डाइजेशन अच्छा होता है जो आखिरकार B-12 को सही तरीके से जज्ब होने में भूमिका निभाता है। इसलिए हमें यह देखना चाहिए कि क्या हम डाइट में इस विटामिन का सोर्स सही तरीके से ले रहे हैं।

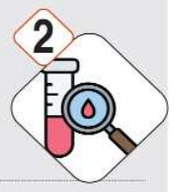

शरीर का इसे जज्ब न कर पाना: कई लोगों की यह शिकायत रहती है कि कई महीनों से B-12 का सप्लिमेंट ले रहा हूं, लेकिन ब्लड रिपोर्ट में सुधार नहीं दिख रहा। डाइट से तो नहीं ही बढ़ रहा था, सप्लिमेंट भी फायदा नहीं दे रहा। इसकी वजह है हमारे शरीर द्वारा सही तरीके से पोषक तत्वों को जज्ब यानी अवशोषण न कर पाना। ऐसे में सिर्फ B-12 की कमी ही नहीं दिखेगी, दूसरे पोषक तत्व भी कम हो जाते हैं।

गलत खानपान: वैसे तो यह कई परेशानियों की जड़ है, लेकिन B-12 की कमी की बड़ी वजह है। आजकल हमारी डाइट में हेल्दी फ्रूट्स, सब्जियां आदि शामिल हों या न हों, जंक फूड, पैक्ड फूड जरूर शामिल हो जाता है। बर्गर, मोमो, नूडल्स, पिज्जा के बिना शायद ही कोई हफ्ता निकलता हो। इसी तरह प्रोसेस्ड या अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड हमारी पाचन शक्ति को सीधे कमजोर करते हैं। मसलनः मैदा, चीनी, रिफाइंड ऑयल आदि। जहां तक पैक्ड फूड की बात है तो चिप्स, नमकीन, बिस्कुट आदि सभी खा रहे हैं। इन्हें खाने से कुछ देर का स्वाद जरूर मिलता है, लेकिन असर आगे चलकर खराब सेहत के रूप में सामने आता है। पोषक तत्व जज्ब करने की क्षमता कम हो जाती है।

मोटापा कम करने वाली सर्जरी भी वजह: यह सच है कि बेरियाट्रिक सर्जरी यानी वजन कम करने वाली सर्जरी की वजह से भी B-12 का लेवल कम हो सकता है। हमारे शरीर में विटामिन B-12 के जज्ब होने के लिए एक खास तरह के प्रोटीन की जरूरत होती है जो पेट की अंदरूनी परत का हिस्सा होता है, इसे इंट्रिन्सिक फैक्टर (IF) कहते हैं। इसी प्रोटीन से जुड़ने के बाद B-12 को शरीर जज्ब कर पाता है। अगर किसी बीमारी की वजह से या बेरियाट्रिक सर्जरी की वजह से पेट का वह हिस्सा या तो निकाल दिया जाए या फिर बाईपास कर दिया जाए तो B-12 का अवशोषण नहीं हो पाता या बहुत कम हो जाता है।

अल्कोहल और स्मोकिंग: इनसे दूर रहने में ही भलाई है। ऐसा देखा जाता है इन दोनों चीजों की लत की वजह से विटामिन B-12 का अवशोषण काफी धीमा हो जाता है। इसलिए सप्लिमेंट आदि लेने के बाद भी कई लोगों को ज्यादा फायदा नहीं होता। ऐसे में B-12 के इंजेक्शन लेना ही बढ़िया विकल्प रहता है। अल्कोहल की वजह से इंट्रिन्सिक फैक्टर (IF) पर असर पड़ता है। इससे विटामिन का अवशोषण कम हो जाता है। वहीं, स्मोकिंग की वजह से भी इसके अवशोषण पर सीधा असर पड़ता है।

गैस की दवाएं: आमतौर पर पेशंट को दवा के साथ या बाकी लोग पेट में गैस कम बने इसलिए एंटासिड दवा खाते हैं। इससे गैस कम तो हो जाती है, लेकिन नुकसान भी होता है। यह जानना चाहिए कि विटामिन B-12 समेत दूसरे फूड आइटम के पाचन के लिए पेट में सही मात्रा में एसिड बनना जरूरी है। जब कोई एंटासिड खाता है तो एसिड कम निकलता है। अगर इस दौरान B-12 का सप्लिमेंट या B-12 वाला खाना लिया है तो स्वाभाविक है कि शरीर को सही मात्रा में यह विटामिन नहीं मिल सकेगा। इसलिए यह जरूरी है कि एंटासिड लेने से कम से कम 2 घंटे पहले या फिर 2 घंटे बाद ही इसका सेवन करें।

इनके चीजों के साथ भी न लें: विटामिन-C सप्लिमेंट या संतरा, नीबू पानी आदि जूस के साथ। इससे भी यह विटामिन कम मात्रा में जज्ब होता है। इसके अलावा ऐंटिबायोटिक्स के साथ भी इसे लेने से बचना चाहिए।

लैक्टोज इंटॉलरेंस: लैक्टोज दूध में मिलने वाला ग्लूकोज (कार्बोहाइड्रेट) है। कुछ लोगों को लैक्टोज यानी दूध और दूध से बने उत्पाद, जैसेः दही, पनीर आदि को पचाने में परेशानी होती है क्योंकि ऐसे लोगों में लैक्टेज एंजाइम कम होता है या नहीं होता। लैक्टेज एंजाइम लैक्टोज को पचाने का काम करता है। किसी शख्स में लैक्टेज एंजाइम की कमी के कई लक्षण हो सकते हैं। जैसे- दूध या दूध से बने उत्पाद खाने के बाद उस शख्स के पेट में गैस बनने लगती है और पेट फूल जाता है, उसे लूज मोशंस या उलटी हो सकती है, पेट में मरोड़ हो सकती है आदि। इन परेशानियों की वजह से वह शख्स डेयरी प्रोडक्ट खाना बंद कर देता है। इसमें दही, छाछ सभी शामिल होते हैं। इस तरह डेयरी प्रोडक्ट से मिलने वाले B-12 का रास्ता बंद हो जाता है। वहीं, अगर कोई नॉनवेज भी न खाता हो तो B-12 की कमी होना स्वाभाविक है। ऐसे में उस शख्स को साल में एक बार अपना ब्लड टेस्ट कराकर देखना चाहिए और उसी अनुसार डॉक्टर की सलाह से सप्लिमेंट लेने चाहिए।

लाइफस्टाइल: अगर लाइफस्टाइल सही नहीं है यानी हम 6 से 8 घंटे की गहरी नींद नहीं लेंगे, फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करेंगे, स्ट्रेस में रहेंगे तो इसका असर भी हमारे पाचन और शरीर की जज्ब करने की क्षमता पर सीधा पड़ता है। इसलिए अच्छी नींद के लिए हर दिन 30 से 40 मिनट का ब्रिस्क वॉक और स्ट्रेथ एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए।

विटामिन B-12 के बेहतरीन सोर्स

यहां दी गई टेबल से यह पता चल जाता है कि वेज की तुलना में नॉनवेज फूड आइटम्स में विटामिन B-12 ज्यादा आसानी से और ज्यादा मात्रा में मिलता है। फिर भी अगर कोई नॉनवेज नहीं खाता है तो उसके लिए दूध, दही, पनीर का विकल्प है। वैसे भी B-12 की हर दिन की जरूरत 2.4-2.8 माइक्रोग्राम ही है। ऐसे में इन तीनों को हर दिन या इनमें से एक या दो को हर दिन डाइट का हिस्सा बनाने पर वेजिटेरियन लोगों में भी कमी नहीं होनी चाहिए, लेकिन शर्त यह है कि उनका पाचन तंत्र सही हो। शरीर सही तरीके से पोषक तत्वों को जज्ब करता हो।

जहां तक नॉनवेज खाने वालों की बात है तो उनमें विटामिन B-12 की कमी नहीं होनी चाहिए, लेकिन ऐसा होता नहीं है। नॉनवेजिटेरियन में भी इसकी कमी हो जाती है। इसकी सबसे बड़ी वजह पाचन तंत्र कमजोर होना है। अगर कोई चिकन, मछली, मटन न भी खाता हो, लेकिन एगेटेरियन यानी अंडा खाने वाला (अनफर्टिलाइज्ड एगः बिना निषेचन के अंडे जिनसे चूजा पैदा नहीं हो सकता यानी जिसे खाने से किसी की हत्या नहीं होती) हो तो भी उसका काम हर दिन सिर्फ 2 अंडे खाने से चल जाता है। वहीं, अगर वह बाकी नॉनवेज आइटम खाता हो तो इस विटामिन की कमी की गुंजाइश और भी घट जाती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि जब हम B-12 को सप्लिमेंट के फॉर्म में लेते हैं तो वह सायनोकोबालामिन होता है। इसकी वजह यह है कि यह सस्ता होता है। शरीर पहले इसे मिथाइलकोबालामिन में बदलता है और फिर इस्तेमाल करता है। वहीं, जब हम कुदरती रूप वाला (दूध, दही, नॉनवेज आदि) B-12 खाते हैं तो हमें सीधे मिथाइलोकोबालामिन मिल जाता है। शरीर को इसे बदलने की जरूरत नहीं होती।

सोर्स	मात्रा (mcg)/100 ग्राम में
वेज	
गाय का दूध	0.4-0.5
दही	0.4
पनीर	0.4-1.5
न्यूट्रिशनल यीस्ट	4-5,

यह यीस्ट फोर्टिफाइड होता है यानी इसमें बाहर से विटामिन B-12 जोड़ा जाता है। यह मार्केट में उपलब्ध है।

नॉनवेज	
मटन	1.5-2.5
मटन लिवर	50- 60
चिकन लिवर	13-18
मछली	8.9
टूना मछली	9.4
चिकन	0.3-0.5
अंडा	1.1

न प्लांट और न कोई एनिमल, इसे बनाता है बैक्टीरिया!

Q इसे बनाने में बैक्टीरिया की क्या भूमिका है?

A इस विटामिन की एक बड़ी खासियत है कि इसे न तो पौधे बना सकते हैं, न कोई जानवर और न इंसान का शरीर। इसे बनाता है बैक्टीरिया। सीधे कहें तो इस विटामिन के लिए हम पूरी तरह बैक्टीरिया पर ही आश्रित हैं। इस तरह के बैक्टीरिया फर्मेंटेड (जैसे दूध से दही बनाने वाले बैक्टीरिया आदि) उत्पादों में ज्यादा मिलते हैं। कुछ बैक्टीरिया जो मिट्टी और पानी में पाए जाते हैं, वे कुछ मात्रा में B-12 का निर्माण करते हैं। दरअसल, B12 का बनना एक बहुत जटिल प्रक्रिया है जिसमें करीब 30 से ज्यादा एंजाइम काम करते हैं। एक स्टडी में यह बात सामने आई है कि हमारे शरीर में भी इस तरह के बैक्टीरिया बड़ी आंत में मौजूद होते हैं। बड़ी आंत में अवशोषण बहुत कम होता है। शरीर में ज्यादातर पोषक तत्वों का अवशोषण छोटी आंत में होता है। इसलिए शरीर बड़ी आंत में बनाए गए इस विटामिन को जज्ब नहीं कर पाता और यह शरीर से बाहर चला जाता है।

Q वेजिटेरियन हैं तो इसकी कमी कैसे हो दूर?

A अगर कोई शख्स नॉनवेज नहीं खाना चाहता तो उसके लिए डेयरी प्रोडक्ट्स के विकल्प हैं। वहीं, वह सप्लिमेंट भी ले सकता है। अगर ज्यादा कमी होगी तो डॉक्टर की सलाह से वह इंजेक्शन भी ले सकता है। इन सबसे उसके शरीर में इस विटामिन की कमी पूरी हो जाएगी। इसलिए अगर नॉनवेज खाने की इच्छा न हो तो न खाएं। सिर्फ B-12 की कमी को दूर करने के लिए नॉन वेजिटेरियन बनने का कोई मतलब नहीं है।

Q नॉन वेजिटेरियन में भी कम क्यों हो जाता है?

A नॉनवेज में B-12 का सबसे अच्छा सोर्स लिवर और कुछ मात्रा में किडनी है। वहीं, ऐसे लोग कम ही होते हैं जो मटन, चिकन में सिर्फ लिवर और किडनी या गुर्दा ही खाते हैं। खाने में लिवर या गुर्दे की मात्रा बहुत कम होती है। दूसरी वजह यह भी मुमकिन है कि उनका पाचन तंत्र भी कमजोर हो सकता है। इससे इस विटामिन का पूरा अवशोषण नहीं हो पाता।

Q किन लोगों को नहीं लेने चाहिए सप्लिमेंट?

A अगर किसी को लिवर या किडनी की गंभीर बीमारी है तो इसके सप्लिमेंट बिना डॉक्टर की सलाह के हरगिज न लें। वहीं, कैंसर के कुछ मामलों में भी डॉक्टर की सलाह से ही इसे लेना चाहिए। दरअसल, इसकी वजह यह है कि लिवर में यह विटामिन स्टोर होता है। अगर लिवर की बीमारी है तो लिवर पर दबाव ज्यादा बढ़ेगा। कई बार अचानक ही B-12 का स्तर बढ़ सकता है।

मोबाइल से रिकॉर्ड हुए डांस और कथित नशे के दृश्य, 8 बंदियों पर मामला दर्ज

चित्तौड़गढ़ जिला जेल में बंदियों की पार्टी के वीडियो वायरल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़ @ इलियास मोहम्मद। चित्तौड़गढ़ जिला कारागृह एक बार फिर सुर्खियों में है। जेल के भीतर से सामने आए तीन वीडियो ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल वीडियो में हत्या के मामले में बंद विचाराधीन बंदी एक साथ दावत करते, डांस करते और कथित रूप से नशा करते दिखाई दे रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पूरा वीडियो जेल के अंदर एक एंड्रॉयड मोबाइल से सेल्फी मोड में रिकॉर्ड किया गया और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

वीडियो सामने आने के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पूरे जेल परिसर की तलाशी ली गई, जिसमें दो मोबाइल फोन बरामद होने का दावा किया गया। इसके बाद जिला जेल प्रशासन की रिपोर्ट पर कोतवाली थाना पुलिस ने आठ बंदियों के खिलाफ राजस्थान कारागार अधिनियम, 2015 की धारा 42 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तीन वीडियो में अलग-अलग गतिविधियां आईं सामने

जानकारी के अनुसार वायरल हुए तीनों वीडियो 23 जुलाई की शाम के बताए जा रहे हैं। पहले वीडियो में कई बंदी एक साथ बैठकर भोजन करते दिखाई देते हैं। दूसरे वीडियो में कुछ बंदी कथित रूप से नशा करते नजर आते हैं, जबकि तीसरे वीडियो में वही बंदी बिना किसी रोक-टोक के डांस कर जश्न मनाते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो एक बंदी द्वारा मोबाइल फोन से रिकॉर्ड किया गया है, जिससे जेल के अंदर मोबाइल पहुंचने और उसके खुलेआम इस्तेमाल को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

अजयराज हत्याकांड के आरोपी बताए जा रहे हैं वीडियो के बंदी

वायरल वीडियो में दिखाई देने वाले अधिकांश बंदी बहुचर्चित अजयराज सिंह हत्याकांड के आरोपी हैं। इनमें हिस्ट्रीशीटर ईश्वर सिंह उर्फ हरिओम सिंह, हर्षवर्धन सिंह, भैरूलाल गुर्जर सहित करीब आठ आरोपी शामिल बताए जा रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले वर्ष बजरी विवाद के दौरान रिटायर्ड एएसआई के बेटे अजयराज सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने दो दर्जन से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें से कई वर्तमान में जिला जेल में विचाराधीन बंदी हैं।

तलाशी में दो मोबाइल बरामद

वायरल वीडियो की जानकारी मिलने के बाद जेल अधीक्षक की मौजूदगी में पूरे जेल परिसर की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ए-वार्ड के एक स्टोर रूम से पन्नी में लिपटा विवो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किया गया। वहीं महिला वार्ड के सामने पेड़ की जड़ों के पास एक अन्य मोबाइल फोन बैटरी और चार्जिंग केबल सहित मिला। दोनों मोबाइल जब्त कर पुलिस को सौंप दिए गए।

आठ के खिलाफ मामला दर्ज

जेल प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट में आठ बंदियों के नाम पुलिस को सौंपे हैं। आरोप है कि इन बंदियों ने जेल के भीतर प्रतिबंधित सामग्री मंगवाकर उसका उपयोग किया। इसी आधार पर राजस्थान कारागार अधिनियम, 2015 की धारा 42 के तहत मामला दर्ज कराया गया है। कोतवाली थाना पुलिस ने जेल प्रहरी की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर जांच उपनिरीक्षक पारस कुमार को सौंपी है। जेल के भीतर मोबाइल से वीडियो रिकॉर्ड होने और सोशल मीडिया तक पहुंचने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। अब जांच का सबसे अहम विषय यही है कि प्रतिबंधित मोबाइल और अन्य सामग्री जेल के अंदर कैसे पहुंची और इसकी जिम्मेदारी किसकी है। जेल अधीक्षक से इस मामले में संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

माउंट आबू में 'होटल एसोसिएशन का (HAMA) अभिनव प्रयास

अखंड हरियाली' का 5वां चरण: अमलतास व करंज के लगाए 100 पौधे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। माउंट आबू होटल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'अखंड हरियाली अभियान' का पांचवां चरण गुरुवार को उत्साह के साथ संपन्न हुआ। अभियान संयोजक सुधीर जैन के नेतृत्व में और एसोसिएशन के अध्यक्ष वंदन अग्रवाल व सचिव कश्यप जानी की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ गुजरात से पधारे राज्यसभा सांसद नरहरि अमीन एवं रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी ने किया।

कार्यक्रम में अमलतास और करंज की कुल 100 पौधें रोपे गए। अध्यक्ष वंदन अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा और आगे की योजनाओं के बारे में बताया, जबकि संयोजक सुधीर जैन ने अतिथियों का भावभीना स्वागत किया। उपस्थित सदस्यों तथा मेहमानों ने पेड़ों की सुरक्षा व उनकी निरंतर देखभाल का दृढ़ संकल्प लिया। मुख्य अतिथि सांसद नरहरि अमीन ने कहा कि पौधरोपण केवल शुरुआत है और इसकी सफलता के लिए निरंतर देखभाल, जिम्मेदारी निर्धारण और सख्त निगरानी आवश्यक है। उन्होंने गुजरात में चल रहे हरियाली अभियान का उदाहरण देते हुए समुदायिक भागीदारी पर जोर दिया। रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी ने माउंट आबू के नागरिकों के प्रकृति-प्रेम और पर्यावरण संरक्षण की भावना की प्रशंसा की और कहा कि यह यहां के लोगों की सांस्कृतिक पहचान का भाग है कि वे पेड़ों के संरक्षण के लिए सतत प्रयास करते हैं। कार्यक्रम में होटल एसोसिएशन के सुरभि अग्रवाल, राज अग्रवाल, अनिल जैन, शुभम जैन, अरुण जैन, ज्योतिष जोनवाल, आलोक चतुर्वेदी, निलेश वोरा, उत्तम बाँठिया, अशोक जॉनी, अमरीश भाई, पंकज भाई सहित अनेक सदस्य व गुजरात के मेहमान मौजूद थे।

बिड़ला कॉर्पोरेशन का जून तिमाही में दमदार प्रदर्शन, सीमेंट बिक्री 5% बढ़ी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। बिड़ला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने जून 2026 तिमाही में शानदार वित्तीय प्रदर्शन करते हुए सीमेंट बिक्री 5% बढ़ाकर 5.05 मिलियन टन कर ली। कंपनी ने 98% क्षमता उपयोग दर्ज किया, जबकि कुल राजस्व 7% बढ़कर 2,669 करोड़ रहा।

कंपनी के अनुसार महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान के ट्रेड सेगमेंट में बेहतर मांग से बिक्री को मजबूती मिली। प्रीमियम सीमेंट की बिक्री में 18% तथा ट्रेड चैनल के जरिए बिक्री में 11% की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि सीमेंट कीमतों में नरमी और ईंधन व बिजली की बढ़ी लागत के कारण शुद्ध लाभ 116 करोड़ रहा।

कंपनी ने बताया कि पर्यावरण-अनुकूल ब्लेंडेड सीमेंट की हिस्सेदारी कुल बिक्री का 88% रही। वहीं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए मुकुटबन में 5 मेगावाट का सोलर प्लांट शुरू किया गया है। कंपनी का मानना है कि मानसून के चलते अगस्त तक मांग सामान्य रह सकती है, लेकिन सितंबर से सरकारी परियोजनाओं और निजी निर्माण कार्यों में तेजी आने से सीमेंट की मांग में सुधार की उम्मीद है।

जुमे की नमाज के बाद अमन-चैन की दुआ, धूणा के तरीकबंद फुकरा हजरात को दी गई विदाई

हजरत दीवाना शाह साहब र.अ. की भूमिगत मजार के दर्शन के लिए उमड़ी आस्था

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कपासन। प्रख्यात सूफी संत हजरत दीवाना शाह साहब रहमतुल्लाह अलैह की भूमिगत मुख्य मजार के सालाना दर्शन के लिए शुक्रवार को सुबह से ही अकीदतमंदों का सैलाब उमड़ पड़ा। वर्ष में केवल एक बार खुलने वाले मजार के पटों के दर्शन के लिए बुलंद दरवाजे तक श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। दरगाह वक्फ कमेटी के सदर सैयद ऐजाज अली ने बताया कि जायरीन को व्यवस्थित रूप से आस्ताना-ए-आलिया में बाब-ए-नेअमत से प्रवेश कराया गया तथा दर्शन के बाद बाब-ए-सलाम से बाहर निकाला गया। सभी श्रद्धालुओं के दर्शन पूर्ण होने के बाद भूमिगत मजार के पट पुनः बंद कर दिए गए। अब आम जायरीन को इन पवित्र पटों के दर्शन अगले वर्ष ही प्राप्त होंगे। दरगाह वक्फ कमेटी के सचिव हाजी शराफत हुसैन भाटी ने बताया कि शुक्रवार होने के कारण दरगाह औलिया मस्जिद में जुमे की नमाज अदा करने के लिए बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचे। नमाज के दौरान पूरा परिसर नमाजियों से खचाखच भर गया। नमाज के बाद देश में अमन, चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे की दुआ की गई।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए दरगाह वक्फ कमेटी ने दर्शन एवं नमाज की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए। वहीं उर्स के समापन अवसर पर धूणा के तरीकबंद फुकरा हजरात को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों के संघर्ष की जीत बताया, कांग्रेस ने केंद्र पर साधा निशाना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों के लंबे संघर्ष की जीत और केंद्र सरकार की नैतिक हार बताया है। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर लंबे समय से आंदोलन कर रहे छात्रों की आवाज आखिरकार सरकार को सुननी पड़ी और यह देशभर के युवाओं एवं अभ्यर्थियों की लोकतांत्रिक लड़ाई की जीत है।

जाड़ावत ने कहा कि पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग को लेकर छात्रों ने लगातार संघर्ष किया। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार ने वर्षों तक छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास किया, लेकिन युवाओं के लोकतांत्रिक आंदोलन के आगे सरकार को झुकना पड़ा।

उन्होंने कहा कि नीट सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया है। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। पूर्व राज्यमंत्री ने कहा कि लोस में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व ने संसद के भीतर और बाहर छात्रों के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से उठाई।

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के द्विवार्षिक चुनाव

थपलियाल एनयूजेआई के अध्यक्ष चुने गए, राकेश बने महासचिव

सभी पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स से संबंदध नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के चुनाव में वरिष्ठ पत्रकार राकेश थपलियाल (दिल्ली) को अध्यक्ष और राकेश शर्मा (जयपुर) को महासचिव चुना गया है। सभी पदाधिकारी और कार्यकारिणी के सदस्य निर्विरोध चुने गए हैं।

एनयूजेआई के चुनाव अधिकारी अशोक किंकर ने संगठन के मुख्यालय 7 जंतर मंतर रोड, नई दिल्ली पर चुनाव नतीजों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि चुनाव में नामांकन वापसी के बाद बताया कि उपाध्यक्ष पद पर सिलवेरी श्रीशैलम (तेलंगाना), प्रशांत चक्रवर्ती (त्रिपुरा), राजीव नयनम (झारखंड), डॉ. रणेश राणा (हिमाचल प्रदेश) और अरविंद सिंह (उत्तर प्रदेश) निर्विरोध चुने गए हैं। सचिव पद पर अयान मुखर्जी (पश्चिम बंगाल), मयूख गोस्वामी (असम) तथा अनिता चौधरी (दिल्ली) चुने गए हैं। कोषाध्यक्ष पद पर उत्तराखंड के आर. सी. कन्नौजिया निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। इस अवसर पर एनयूजेआई के चुनाव आयोग के अध्यक्ष दधिबल यादव उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी के चुनाव उत्तर प्रदेश के वीरेन्द्र कुमार सक्सेना, प्रमोद गोस्वामी, कमलकांत उपमन्यु, दिल्ली के मनोज वर्मा, मनोहर सिंह, सीमा किरण, प्रतिभा शुक्ल, उषा पाहवा, सचिन बुधौलिया, सगीर अहमद, डॉ.अशोक बर्थवाल, तेलंगाना की इन्द्राणी सरकार, टी. वेंकट रमाना, केरल के प्रेम जॉन, ओडिशा के अक्षौय साहू, प्रमोद कुमार सामंतराय, कंबुपानी मिश्रा, हिमाचल प्रदेश के गोपाल दत्त शर्मा, असम के भूपेन गोस्वामी, पश्चिम बंगाल के दीपक राय, सोमेश्वर बोराल चुने गए हैं।

एनयूजेआई के अध्यक्ष रास बिहारी ने बताया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य 19-20 सितंबर 2026 को जयपुर में आयोजित होने वाले महाधिवेशन में कार्यभार संभालेंगे। महाधिवेशन में देशभर से दो हजार से ज्यादा सदस्य हिस्सा लेंगे। महाधिवेशन में मीडिया

अरंडी के लिए प्रथम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित

वैज्ञानिकों ने किसानों को अरंडी की उन्नत खेती की दी सलाह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. बी.आर. चौधरी, कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर, जोधपुर द्वारा अखिल भारतीय समन्वित अरंडी अनुसंधान परियोजना तथा भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के अंतर्गत ग्राम नारवा, मणई व माणकलाव में अरंडी की अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस योजना के तहत 50 किसानों को अरंडी हाइब्रिड आईसीएच-5 के बीज वितरित किए गए। भारत सरकार की योजना अनुसार जैविक व पर्यावरण अनुकूल खेती को बढ़ावा देने के लिए आईसीएच-5 के साथ मूंग की अन्तर शस्य के लिए 10 एफएलडीज तथा अरंडी के लिए अनुशंषित उर्वरक की 25 प्रतिशत मात्रा कार्बनिक स्रोत से प्रदान करने लिए गोबर की खाद वितरित की गई एवं खरपतवार प्रबंधन पर 3 फार्म परीक्षण भी दिये गए। इस अवसर पर प्रभारी डॉ. रामेती जांगिड़, सहायक आचार्य (शस्य विज्ञान) एवं डॉ. रेखा कुमावत, सहायक आचार्य (पादप व्याधि) ने किसानों को अरंडी की उन्नत उत्पादन तकनीकों, समय पर बुवाई, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण तथा समेकित रोग एवं कीट प्रबंधन की जानकारी दी। किसानों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे वैज्ञानिक मार्गदर्शन एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित करने की अपेक्षा व्यक्त की। बीज वितरण के दौरान इंद्रा चौधरी, तकनीकी सहायक, निर्मला, कृषि पर्यवेक्षक एवं किसान मित्र मिंटू सिंह उपस्थित रहे।

खारे पानी में उगा दिये सेब, खजूर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नागौर। आमतौर पर खारे पानी और रेतीली जमीन वाले इलाकों में खेती को चुनौती माना जाता है, लेकिन नागौर जिले की बीकानेर सीमा पर बसे सीलवा गांव के किसान भोजराज सारस्वत ने इस धारणा को बदल दिया है। जिस जमीन पर कभी सिर्फ खेजड़ी का पेड़ पनपता था, आज वहीं 30 से अधिक प्रजातियों के फलदार और औषधीय पेड़ लहलहा रहे हैं।

खेत को हरे-भरे बगीजे में बदला

साल 2016 में भोजराज सारस्वत ने सिर्फ एक खजूर के पौधे से शुरुआत की थी। शुरुआती पांच साल आसान नहीं रहे। खारे पानी और कठिन मौसम के बीच पौधों को बचाना बड़ी चुनौती थी, लेकिन लगातार मेहनत और जैविक खेती के भरोसे उन्होंने अपने खेत को एक हरे-भरे बगीचे में बदल दिया। आज उनके बगीचे में करीब 100 खजूर के पेड़ हैं, जिनसे हर साल लगभग 100 क्विंटल खजूर का उत्पादन होता है। सिर्फ खजूर से ही उन्हें करीब 6 लाख रुपए की सालाना आय हो रही है।

बाग में हर प्रकार के पेड़

खजूर के अलावा उनके बगीचे में सेब, अनार, बेर, अमरूद, बेल, आंवला, शहतूत, चीकू, किन्नू, मौसमी, सहजन, काला जामुन, अशोक, पीपल, शीशम, नीम सहित 30 से अधिक प्रकार के पेड़-पौधे मौजूद हैं, इनसे भी हर साल अच्छी आय हो रही है।

ऑर्गेनिक कीटनाशक का ही प्रयोग

भोजराज बताते हैं कि उन्होंने अपने बगीचे में आज तक किसी रासायनिक कीटनाशक का इस्तेमाल नहीं किया। पौधों की सुरक्षा के लिए वे नीम की पत्तियां, गुड़, छाछ, गोमूत्र और गोबर से तैयार जैविक घोल का उपयोग करते हैं। इससे पौधों को पोषण भी मिलता है, और कीटों से भी बचाव होता है।

15 सौ में बेचते हैं खजूर का एक पौधा

सिंचाई के लिए खेत में तीन फार्म पॉन्ड बनाए गए हैं। खजूर की बरही किस्म के पौधों से हर साल 30 से 35 नए पौधे तैयार कर करीब 1500 रुपए प्रति पौधा बेचा जाता है, जिससे अतिरिक्त आमदनी भी होती है। भोजराज सारस्वत की यह पहल साबित करती है कि यदि सही तकनीक, धैर्य और मेहनत हो तो रेगिस्तान और खारे पानी वाली जमीन पर भी ऐसी खेती संभव है, जिसकी कल्पना कुछ साल पहले तक मुश्किल मानी जाती थी। आज उनका बगीचा पूरे क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा बन चुका है।

2011 से आवास के मालिक ने माँगी हुई है भवन को रिपेयर्ड करवाने की अनुमति

तेज बारिश में भरभराकर गिरी नक्की लॉज की दीवार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। एक तरफ माउंट आबू में जहां लगातार अवैध निर्माण कार्यों की लंबी श्रृंखला है वहीं पर एक सामान्य व्यक्ति को वर्ष 2011 से अपने आवास को रिपेयर करने की अनुमति अभी तक प्राप्त नहीं हुई है जिसका नतीजा यह हुआ कि शनिवार रात जुलाई 2026 को एक भवन की दीवार भरभराकर कर गिर गई गनी मत रहा वहां कई आसपास नहीं था। वर्ना अनहोनी हो सकती थी ।

माउंट आबू में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण शनिवार देर रात नक्की बाजार स्थित नक्की लॉज के सौ साल पुराने भवन के उत्तरी हिस्से की दीवार ढह गई। दीवार का मलबा पास की खाली जमीन और विवेकानंद पार्क मार्ग पर गिरा। हादसे के वक्त सड़क पर या भवन में कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

नक्की लॉज का यह भवन माउंट आबू के सबसे पुराने व्यावसायिक और घने रिहायशी इलाके नक्की बाजार में स्थित है। इसके उत्तरी हिस्से में करीब सौ साल पुराने सात कमरे हैं। पिछले दो दशकों से भवन का यह हिस्सा जर्जर हालत में था। वर्ष 2017 में माउंट आबू नगर पालिका ने भवन का सर्वे कराया था, जिसमें इसके उत्तरी हिस्से के कमरों को जर्जर घोषित किया गया था। इस जर्जर भवन के पुनर्निर्माण के लिए वर्ष 2011 से ही मॉनिटरिंग कमेटी में पत्रावली लंबित थी। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2017 में भी मॉनिटरिंग कमेटी के समक्ष नक्शों सहित पूरी पत्रावली जमा कराई गई थी। इसके बाद, वर्ष 2020 में जोनल मास्टर प्लान और बिल्डिंग बायलॉज पारित होने पर नगर पालिका में ऑफलाइन पत्रावली जमा की गई।वर्ष 2022 में मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में माउंट आबू के जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण की 12 पत्रावलियां स्वीकृत की गई थीं, जिनमें इस भवन की स्वीकृति भी शामिल थी। तब नोडल अधिकारी कार्यालय में एक बार फिर नक्शे के साथ संपूर्ण पत्रावली जमा करवाई गई, लेकिन नोडल अधिकारी ने तब भी इसके पुनर्निर्माण की अनुमति जारी नहीं की।

एनजीटी और हाईकोर्ट के आदेश पर संशोधित जोनल मास्टर प्लान जारी होने के बाद, अगस्त 2025 को नगर पालिका में ऑनलाइन पत्रावली जमा करवाई गई थी। इस बार की तकनीकी रिपोर्ट में भी भवन को जर्जर बताया गया था, और यह पत्रावली तब से लंबित है। मकान की छतें और दीवारें लंबे समय से दो हिस्सों में बंट गई थीं, और नींव ने भी जमीन छोड़ दी थी। तेज बारिश के कारण शनिवार को इस भवन के उत्तरी हिस्से में स्थित कमरों की दीवार ढहना शुरू हो गई। घटना की सूचना मिलने पर नगर पालिका ने तुरंत बैरिकेडिंग करवाकर क्षेत्र को सुरक्षित किया।

इसकी जानकारी देर रात में हो गई थी। इसके लिए तुरंत ही आसपास के क्षेत्र में बरी कटिंग कराई गई है वह आवास के मालिक से समस्त पत्रावलियां प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है उसके बाद ही कुछ कहा जा सकेगा, क्यों नही मिल पाई अनुमति ।

राम किशोर मेहता, नगर पालिका आयुक्त, माउंट आबू

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

भरतपुर में 50 साल में पलटी खेती की तस्वीर

मूंगफली गायब, तिल आधा और सरसों ढाई लाख हेक्टेयर पार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। खेती ने पिछले 50 वर्षों में ऐसा बदलाव देखा है, जिसने जिले की कृषि की पूरी पहचान बदल दी। जिन खेतों में कभी 22 हजार हेक्टेयर में मूंगफली और 4 हजार हेक्टेयर में तिल की फसल लहलहाती थी, वहां आज मूंगफली लगभग इतिहास बन चुकी है और तिल का रकबा आधा रह गया। दूसरी ओर सरसों ने किसानों की पहली पसंद बनकर बहुत विस्तार किया। 1975-76 में महज 53 हजार हेक्टेयर में बोई जाने वाली सरसों का क्षेत्रफल आज भरतपुर-डीग में बढ़कर 2.5 लाख हेक्टेयर से अधिक हो चुका है। यह बदलाव केवल फसलों के रकबे का नहीं, बल्कि किसानों की बदलती सोच, कीट एवं रोगों के प्रकोप, सिंचाई सुविधाओं, वैज्ञानिक अनुसंधान और बदलते कृषि परिदृश्य की पूरी कहानी बयां करता है।

ऐसे आया बदलाव

कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक देशराज सिंह ने बताया कि वर्ष 1975 के आसपास भरतपुर जिले में मूंगफली की खेती लगभग 22 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में होती थी। तब उच्चैन, बयाना और रूपबास क्षेत्र इसकी खेती के लिए प्रसिद्ध थे, लेकिन वर्तमान समय में मूंगफली का रकबा घटकर लगभग शून्य हेक्टेयर रह गया। स्थिति यह है कि जिले में अब इसकी खेती नाममात्र के किसान ही कर रहे हैं।

तिल सिमटा, सरसों बढ़ी

सिंह ने बताया कि इसी तरह तिल की खेती भी लगातार सिमटती चली गई। वर्ष 1975 में तिल का क्षेत्रफल करीब 4 हजार हेक्टेयर था, जो अब घटकर लगभग 2 हजार हेक्टेयर के आसपास रह गया। पांच दशक में तिल की खेती करीब 50 प्रतिशत तक कम हो गई। इसके विपरीत सरसों ने भरतपुर की कृषि व्यवस्था में अपनी मजबूत जगह बना ली। वर्ष 1975-76 में सरसों का क्षेत्रफल करीब 53 हजार हेक्टेयर था, जबकि वर्तमान में भरतपुर और डीग दोनों जिलों को मिलाकर इसका रकबा 2.50 लाख हेक्टेयर से भी अधिक हो चुका है।

तिल की खेती पर बीमारी का कहर

सिंह ने बताया कि तिल की खेती घटने के पीछे सबसे बड़ी वजह फिलॉडी बीमारी रही। इस रोग ने तिल की उत्पादकता पर गहरा असर डाला। लगातार नुकसान और कम उत्पादन के कारण किसानों ने तिल की खेती का रकबा घटाना शुरू कर दिया। आज यह फसल केवल सीमित क्षेत्रों तक सिमटकर रह गई है।

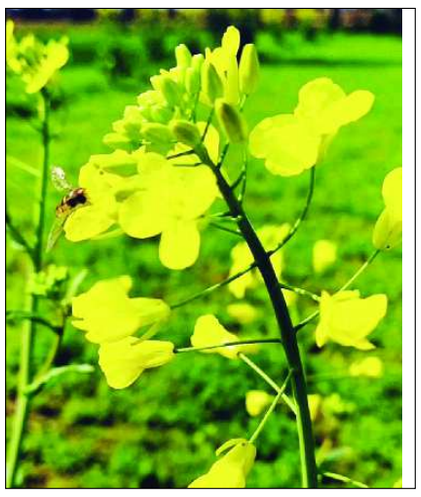

इसलिए खत्म हो गई मूंगफली की खेती

देशराज सिंह ने बताया कि मूंगफली की खेती खत्म होने के पीछे सबसे बड़ा कारण सफेद लट और दीमक का जबरदस्त प्रकोप रहा। तब किसानों ने इन कीटों के प्रभावी नियंत्रण के उपाय नहीं अपनाए। लिहाजा लगातार फसलें खराब होती रहीं और किसानों का भरोसा इस फसल से उठ गया। सफेद लट जमीन के भीतर रहकर पौधों की जड़ों को नुकसान पहुंचाती है, जबकि दीमक भूमिगत रहकर फसल को नष्ट करती है। दोनों कीटों ने मिलकर मूंगफली उत्पादन को भारी नुकसान पहुंचाया। लगातार घाटा होने के बाद किसानों ने धीरे-धीरे इस फसल से दूरी बना ली और अंततः जिले से इसकी खेती लगभग समाप्त हो गई।

सरसों किसानों की पहली पसंद

देशराज सिंह ने बताया कि मूंगफली और तिल किसानों की पसंद से बाहर होती गईं, वहीं सरसों ने उनकी उम्मीदों को नई दिशा दी। इसके पीछे कई मजबूत कारण रहे। सरसों कम पानी में भी अच्छी पैदावार देती है। सिंचाई के लिए हल्का लवणीय (खारा) पानी उपलब्ध हो, तब भी इसकी फसल बेहतर उत्पादन देने की क्षमता रखती है। यही कारण है कि सीमित जल संसाधनों वाले क्षेत्रों में भी किसानों ने इसे तेजी से अपनाया। इसके साथ ही नई उन्नत किस्मों का विकास, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और आधुनिक कृषि तकनीकों ने भी सरसों की खेती को लगातार बढ़ावा दिया। भरतपुर स्थित राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान निदेशालय की भूमिका भी इसमें महत्वपूर्ण रही। संस्थान की तैयार नई किस्मों और प्रसार कार्यक्रमों का सीधा लाभ किसानों तक पहुंचा। इससे उत्पादन और उत्पादकता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

किसानों के लिए अहम सलाह

अतिरिक्त निदेशक देशराज सिंह का कहना था कि किसान चाहे मूंगफली, तिल या सरसों की खेती करें, सबसे पहले बीज उपचार को अनिवार्य रूप से अपनाएं। अधिकांश बीज जनित और मृदा जनित रोगों से बचाव बीज उपचार के माध्यम से ही संभव है। बुवाई से पहले बीजों को उपयुक्त दवा से उपचारित करने पर फफूंद जनित रोगों और कई प्रारंभिक संक्रमणों से बचाव हो जाता है। उन्होंने किसानों को मिट्टी का उपचार करने की भी सलाह दी। उनके अनुसार दीमक और सफेद लट जैसे कीट मिट्टी के भीतर ही रहते हैं। वहीं से फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। बुवाई के समय उचित मात्रा में कीटनाशकों का प्रयोग किया जाए तो इन भूमिगत कीटों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। किसानों को उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज उपयोग करने, समय पर बुवाई करने, पौधों के बीच उचित दूरी बनाए रखने तथा मिट्टी परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरकों का प्रयोग करने की सलाह है। इससे कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

बदलती खेती की बदलती अर्थव्यवस्था

यह बदलाव केवल फसलों का नहीं बल्कि पूरे कृषि परिदृश्य का है। जिन खेतों में कभी मूंगफली की खुदाई होती थी, वहां अब सरसों की सुनहरी फसल लहलहाती है। किसानों ने उन फसलों की ओर रुख किया, जिनमें जोखिम कम और आय अपेक्षाकृत अधिक है। मौसम, कीट प्रकोप, सिंचाई और वैज्ञानिक तकनीकों ने मिलकर भरतपुर की खेती का स्वरूप पूरी तरह बदल दिया।

पांच दशक में ऐसे बदली भरतपुर-डीग की खेती

फसल	वर्ष 1975-76	वर्तमान स्थिति
मूंगफली	लगभग 22,000	लगभग शून्य
तिल	लगभग 4,000	लगभग 2,000
सरसों	लगभग 53,000	2.50 लाख से अधिक (स्थिति हैक्टेयर में)

मुकुंदरा टनल के नीचे से सरपट दौड़ने लगीं गाड़ियां, 15 दिन बाद दूसरा टनल होगा शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर स्थित चेचट टनल को ट्रॉयल के लिए खोल दिया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने झालावाड़ और मध्य प्रदेश की ओर से कोटा आने वाले वाहनों के लिए टनल-1 का संचालन शुरू कर दियागया है। यह ट्रायल करीब 2 महीने तक चलेगा। NHAI के परियोजना निदेशक संदीप आहवाल ने बताया कि फिलहाल झालावाड़ से कोटा की ओर आने वाले वाहन टनल-1 से गुजरेंगे। करीब 15 दिन बाद कोटा से झालावाड़ जाने वाले वाहनों के लिए दूसरी टनल भी शुरू कर दी जाएगी।

जाम से मिलेगी राहत

नेशनल हाईवे 52 पर दरा घाटी में भारी जाम जैसे हालात बन जाते थे और यह अधिकांश ट्रैफिक एक्सप्रेसवे का होता था, क्योंकि एक्सप्रेसवे कई हिस्सों में चालू है। इस पर भारी ट्रैफिक आ भी रहा है। बड़े भारी व्हीकल आने के चलते निकलने में देरी होती थी। दरा की नाल में यह पूरा ट्रैफिक 12 लेन का केवल सिंगल लेन से गुजर रहा था। अब दरा घाटी में एक नया अंडरपास भी रेलवे बना रहा है। जल्द ही वह भी शुरू हो जाएगा। दूसरी तरफ टनल शुरू होने से एक्सप्रेसवे का पूरा ट्रैफिक इधर होकर निकल जाएगा। एक्सप्रेसवे का एक तरफ ट्रैफिक जरूर इस पर रहेगा, लेकिन बाद में वह भी दूसरी ट्यूब से यातायात शुरू होने पर उसमें चला जाएगा। इससे दरा को जाम से मुक्ति मिलेगी। नेशनल हाईवे 52 के वाहन चालक झालावाड़, मोड़क व रामगंजमंडी की तरफ यात्रा करेंगे तो उन्हें भी राहत मिलेगी।

आज ट्रैफिक रहेगा डायवर्ट

दरा में बन रहे रेलवे अंडरपास के दूसरे हिस्से के गर्डर हटाने के कार्य के चलते आज रात 12 बजे तक कोटा-झालावाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। इस दौरान आपातकालीन सेवाओं जैसे एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड को प्राथमिकता दी जाएगी। रेलवे अंडरपास के दूसरे हिस्से के गर्डर हटाने और ट्रैक बिछाने का कार्य पूरा होने के बाद अंडरपास का निर्माण भी अंतिम चरण में पहुंच जाएगा, इसके अगले दो से तीन महीने में अंडरपास शुरू होने की संभावना है, जिससे दरा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था और सुगम हो जाएगी।

राजस्थान की सबसे बड़ी टनल

मुकुंदरा टनल राजस्थान की सबसे लंबी सड़क टनल मानी जा रही है। इसकी कुल लंबाई 4.9 किलोमीटर है, जिसमें 3.3 किलोमीटर मुख्य टनल और 1.6 किलोमीटर कट एंड कवर सेक्शन शामिल है. टनल की चौड़ाई करीब 38 मीटर है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- शांतिपूर्ण प्रदर्शन अधिकार, ये दिल्ली नहीं, पूरे देश का मामला

सिर्फ आंदोलन के आधार पर लाठीचार्ज नहीं: SC

प्रदर्शन पर अनावश्यक प्रतिबंध नहीं होने चाहिए। और चाहे घायल पुलिसकर्मी हो या प्रदर्शनकारी, किसी भी व्यक्ति को लगी चोट अदालत के लिए समान चिंता का विषय है। -सुप्रीम कोर्ट

ज्यादा बल प्रयोग किया गया तो स्वतंत्र जांच हो: कोर्ट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: छात्र आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ऐक्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कड़ी टिप्पणी की। कहा, सिर्फ आंदोलन होने के आधार पर लाठीचार्ज नहीं किया जा सकता। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने कहा है कि शांतिपूर्ण और कानून सम्मत विरोध प्रदर्शन का अधिकार संविधान में संरक्षित है।केवल इसलिए कि कोई आंदोलन हो रहा है, पुलिस की 'ज्यादती और लाठीचार्ज' को उचित नहीं ठहरा सकते।

कोर्ट ने कहा, अगर पुलिस ने अत्यधिक बल प्रयोग किया है तो उसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। यह सिर्फ दिल्ली का मामला नहीं है। पूरे देश में एक समान प्रोटोकॉल की आवश्यकता है। केवल इसलिए कि कोई आंदोलन हो रहा है, इसका मतलब यह नहीं कि लाठीचार्ज किया जाए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अनुशासन एक अनिवार्य तत्व है। कोर्ट ने कहा कि वह मंगलवार को नीट पेपर लीक और अन्य परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में देशभर में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित पुलिस ज्यादती से जुड़ी याचिकाओं के समूह पर सुनवाई करेगी।

कथित पुलिस ज्यादती पर मंगलवार को कोर्ट करेगा सुनवाई

कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से हमले का शिकार हुए कुछ पुलिसकर्मियों के परिजनों की ओर से दायर अलग याचिका पर भी अन्य लंबित याचिकाओं के साथ सुनवाई होगी। कोर्ट ने कहा कि हर व्यक्ति का जीवन महत्वपूर्ण है, चाहे वह कोई भी हो। प्रदर्शन के लिए उचित स्थान होना चाहिए और अनावश्यक प्रतिबंध नहीं होने चाहिए।

SC को टास्क फोर्स की रिपोर्ट का इंतज़ार

जागरूक जनता @ नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि नीट को ऑनलाइन या कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT) में कराने के मुद्दे पर वह नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता वाली केंद्र सरकार की उच्चस्तरीय टास्क फोर्स की सिफारिशों का इंतजार करेगा। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा की बेंच ने कहा कि ऑफलाइन से ऑनलाइन परीक्षा में बदलाव के दौरान साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय जरूरी होंगे। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेषज्ञ समिति गठित की है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त तय की है।

PTI

सम्मान... इस्तीफे के बाद सोमवार को पहली बार धर्मेंद्र प्रधान संसद पहुंचे तो BJP सांसदों ने स्वागत किया।

प्रदर्शन में 989 आपराधिक रेकॉर्ड वाले थे: पुलिस

File

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

संसद मार्च के दौरान पिछले सोमवार भड़की हिंसा में शामिल लोगों की जांच में पुलिस ने चौंकाने वाले तथ्य सामने रखे हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 2,873 लोगों की पहचान की गई, जिनमें से 989 का गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड मिला। पुलिस का दावा है कि इनमें हत्या के मामलों में 101, डकैती और लूट के 284, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों सहित अन्य मामलों के 92 आरोपी शामिल हैं। इसके अलावा 135 स्नैचिंग, 229 आर्म्स ऐक्ट, 67 एनडीपीएस ऐक्ट और 19 अपहरण के मामलों में आरोपी भी हिंसा में शामिल पाए गए। पुलिस के अनुसार हत्या के 101 आरोपियों में 42 पर दो या अधिक और 12 पर 10 या उससे अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। डकैती-लूट के 284 आरोपियों में 155 पर कई और 31 पर 10 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। यह रिपोर्ट सरकार को सौंप दी गई है।

लिखित समझौता नहीं तो फिर आंदोलन: CJP

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के साथ सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रंका ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर फिर से आंदोलन की चेतावनी दी।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जंतर-मंतर आंदोलन पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि अगर सरकार मंगलवार तक समझौते की लिखित कॉपी साझा नहीं करती और अलग-अलग राज्यों में हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को रिहा नहीं किया जाता तो दोबारा आंदोलन शुरू करने के लिए मजबूर होंगे।

सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रंका ने कहा कि 25 जुलाई को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ हुई तीसरे दौर की बातचीत में यह सहमति बनी थी कि जंतर-मंतर प्रदर्शन, 20 जुलाई के प्रदर्शन और देशभर में हुए प्रदर्शनों से जुड़े सभी एफआईआर वापस लिए जाएंगे। CJP ने कहा, वेबसाइट बनाकर प्रदर्शनकारियों की कानूनी मदद के लिए ऑनलाइन फंड जुटाया जाएगा। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और उनकी टीम अदालत में पैरवी करेगी। वेबसाइट के जरिए लोग भी मदद कर सकेंगे।

मदद के लिए फंड

कपिल सिब्बल ने कहा कि हम एक ऐसा ढांचा तैयार करेंगे जिसके जरिए यह पता लगाया जाएगा कि कहां क्या हुआ, 1 करोड़ फंड में देते हुए उन्होंने देशभर के वकीलों व अन्य लोगों से सहयोग करने की अपील की।

पहले दिन फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई टली

पीटीआई, नई दिल्ली: नीट पेपर लीक मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट में पहली सुनवाई सोमवार को टल गई। सीबीआई की ओर से कोई वकील पेश नहीं हुआ। कोर्ट ने आरोपियों दिनेश और विकास की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई 3 अगस्त तक टाली।

बिहार सरकार वापस लेगी छात्रों पर FIR, रिहा भी होंगे

File

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बिहार सरकार ने CJP प्रोटेस्ट में शामिल हुए छात्रों पर की गई FIR वापस लेने का फैसला किया है। साथ ही कहा है कि 26 जुलाई शाम 6 बजे तक बिहार में हुए किसी भी विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों के खिलाफ कोई दंडात्मक या बदले की भावना से कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सरकार ने कहा, ऐसे मामलों में गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए सभी लोगों को रिहा किया जाएगा और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ आगे भी कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा, हमने ऐलान किया था कि अगर सरकार वादा पूरा नहीं करती है तो हम दिल्ली में सेकंड राउंड प्रोटेस्ट का ऐलान करेंगे। उसके कुछ घंटे बाद ही बिहार सरकार ने ये फैसला लिया। ये युवाओं की एक और बड़ी जीत है।

CJP ने कहा, यह युवाओं की एक और बड़ी जीत

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा

राजाखेड़ा में लोकार्पण-शिलान्यास समारोहः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने धौलपुर को दी लगभग 177 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

हम जनता की सुनते हैं इसलिए ना काम की कमी और ना ही बजट की-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास के मूलमंत्र को आत्मसात कर हमारी सरकार प्रदेश का चहुंमुखी विकास कर रही है। किसान, महिला, युवा, मजदूर सहित प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए योजनाएं बनाई गई हैं और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार धौलपुर जिले के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। विगत ढाई साल में धौलपुर जिले में लगभग दो हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं। हम जनता की सुनते हैं इसलिए ना तो काम की कमी है और ना ही बजट की। मुख्यमंत्री मंगलवार को धौलपुर के राजाखेड़ा की फूलपुर ग्राम पंचायत में लोकार्पण-शिलान्यास समारोह एवं जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 177 करोड़ रुपये के 17 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जिसमें 155 करोड़ रुपये से अधिक लागत के कार्यों का लोकार्पण तथा 21 करोड़ रुपये से अधिक लागत के कार्यों का शिलान्यास शामिल है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

प्रदेश में हर वर्ग का हो रहा सर्वांगीण विकास

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की जनता को पानी, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, रोजगार सहित सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवा रही है। किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए पीएम किसान सम्मान निधि के साथ ही तीन हजार रुपये अतिरिक्त देने का काम किया है। वहीं, आज किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ मिल रहा है। साथ ही, 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, आईजीएनपी, गंगनहर, देवास, सोम कमला अंबा, माही बांध जैसी विभिन्न परियोजनाओं के जरिए प्रदेश को जल आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के बेहतर भविष्य की राह प्रशस्त कर रही है। सिर्फ ढाई वर्ष में ही 1 लाख 78 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी की सौगात मिली है। वहीं, 1 लाख 32 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रि याधीन है तथा 70 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की तैयारी की जा रही है। साथ ही, निजी क्षेत्र में भी साढ़े चार लाख रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं।गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकसित राजस्थान का संकल्प साकार हो रहा है।

इन विकास कार्यों का किया लोकार्पण

- मनियां में 101 करोड़ रुपये की लागत से 220 केवी जीएसएस तथा संबंधित लाइनों का निर्माण
- जारह में 33/11 केवी क्षमता के नए सब-स्टेशन की स्थापना
- लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से राजाखेड़ा तथा सरमथुरा में एफएसटीपी
- बसई नवाब और सरमथुरा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
- बसई नवाब और कंचनपुर में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट की स्थापना
- बाड़ी में साढ़े तेरह करोड़ रुपये से अधिक की लागत से राम सागर मध्यम सिंचाई परियोजना का पुनर्निर्माण कार्य
- राजाखेड़ा के नागर-मीठावली में साढ़े आठ करोड़ रुपये की लागत से एनिकट निर्माण
- सोने का गुर्जा में पुलिस थाना और बिजौली, सेवर एवं झिरी में पुलिस चैकी निर्माण

इन विकास कार्यों का हुआ शिलान्यास

- सरमथुरा में 14 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पार्वती बांध के पुनर्निर्माण कार्य
- धौलपुर में पौने सात करोड़ रुपये की लागत से जिला औषधि भंडार निर्माण
- धौलपुर में उपनिदेशक उद्यानिकी विभाग के कार्यालय भवन निर्माण
- मुख्यमंत्री ने धौलपुर जिले के लिए की महत्वपूर्ण घोषणाएं
- फूलपुर के खेल मैदान में ढाई करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य
- 15 करोड़ रुपये की लागत से राजाखेड़ा में मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण।

बुजुर्गों का अकेलापनः आधुनिक समाज की सबसे बड़ी त्रासदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

संदीप पारीक
समाजसेवी
@jagrukjanta.net

आज के समय में शिक्षा, नौकरी और बेहतर भविष्य की तलाश में अधिकांश बच्चे अपने माता-पिता से दूर शहरों या विदेशों में रहने लगे हैं। यह परिस्थितियाँ कई बार मजबूरी होती हैं, लेकिन इन मजबूरियों के बीच हमारे बुजुर्ग माता-पिता का अकेलापन एक गंभीर सामाजिक समस्या बनता जा रहा है। समाचार पत्रों और विभिन्न घटनाओं से बार-बार यह दुखद समाचार सामने आता है कि घर में अकेले रह रहे बुजुर्ग माता-पिता का निधन हो जाता है, लेकिन कई दिनों तक किसी को इसकी जानकारी तक नहीं होती। जब घर से दुर्गंध आने लगती है या पड़ोसियों को कुछ असामान्य प्रतीत होता है, तब जाकर घटना का पता चलता है। इसके बाद दूर रहने वाले बच्चों को सूचना दी जाती है और वे आकर अपने माता-पिता का अंतिम संस्कार करते हैं। यह केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की संवेदनहीनता का संकेत है। माता-पिता ने अपने बच्चों को जीवन भर प्रेम, संस्कार और सुरक्षा दी, लेकिन जीवन के अंतिम पड़ाव में यदि वे अकेलेपन और उपेक्षा का शिकार हो जाएँ, तो यह हम सभी के लिए आत्ममंथन का विषय है।

यदि किसी कारणवश माता-पिता के साथ रहना संभव न हो, तो कम से कम उनसे प्रतिदिन या नियमित रूप से फोन पर बात करें, वीडियो कॉल करें और पड़ोसियों, रिश्तेदारों या परिचितों से समय-समय पर उनका हालचाल लेते रहें। पड़ोसियों का भी नैतिक दायित्व है कि वे अपने आसपास रहने वाले अकेले बुजुर्गों का समय-समय पर कुशलक्षेम पूछते रहें। आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हमारे आसपास कोई भी बुजुर्ग स्वयं को अकेला या असहाय महसूस न करे। एक छोटा-सा फोन, एक हालचाल और थोड़ी-सी संवेदना किसी के जीवन में बहुत बड़ा सहारा बन सकती है। "बुजुर्ग हमारे अतीत की पहचान हैं, वर्तमान की सीख हैं और भविष्य की प्रेरणा हैं। उनका सम्मान और उनका साथ ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।"

कृषि विश्वविद्यालय ने किया अरंडी की हाइब्रिड बीज लाइनों के लिए समझौता ज्ञापन

वैज्ञानिकों को मिलेगी पहचान, विवि होगा आर्थिक सुदृढ़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं मैसर्स सद्भाव कंज्यूमर्स मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, अहमदाबाद (गुजरात) के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन किया गया। यह समझौता कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा विकसित अरंडी हाइब्रिड (RCH2) की फीमेल लाइन और मेल लाइन के अरंडी हाइब्रिड प्रजनक बीजों के उत्पादन और मार्केटिंग का नॉन-एक्सक्लूसिव अधिकार प्राप्त करने के लिए किया गया। समझौता ज्ञापन पर कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक, अनुसंधान, डॉ एम एम सुंदरिया एवं मैसर्स सद्भाव कंज्यूमर्स मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, अहमदाबाद के चैयरमेन सुरेश पटेल ने हस्ताक्षर किए।

वैज्ञानिकों की मेहनत का नतीजा

इस समझौता ज्ञापन पर खुशी व्यक्त करते हुए कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह जैतावत ने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, साथ ही अरंडी पर काम करने वाले कृषि वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। इस समझौते से जहां कृषि विश्वविद्यालय को आर्थिक रूप से लाभ होगा वही रॉयल्टी भी मिलेगी। उन्होंने बताया इसके साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की ओर से तैयार किए गए बीजों को प्रसिद्धि भी मिलेगी। उन्होंने अरंडी प्रजनक वैज्ञानिकों को इस खास उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कृषि विवि को मिलेगा लाभ

गौरतलब है कि यह सोसाइटी विभिन्न फसलों के बीजों का उत्पादन और बिक्री करती है। सोसाइटी अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पैरेंटल बीजों (मूल बीजों) का गुणन कर सकती है, लेकिन उसे बाजार में पैरेंटल लाइनों के बीजों का उत्पादन और बिक्री करने की अनुमति नहीं होगी। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की लिखित अनुमति के बिना, सोसाइटी इस जेनेटिक मटीरियल का उपयोग किसी भी आगे की ब्रीडिंग या सुधार के लिए नहीं करेगी। इस मौके पर सोसाइटी ने सहमति व्यक्त की है कि किसानों या अन्य ग्राहकों को बेचे जाने वाले बीजों की गुणवत्ता बनाए रखने की जिम्मेदारी उसी की होगी। इस मौके पर अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज) डॉ आर एस चौधरी एवं अरंडी प्रजनक वैज्ञानिक डॉ ममता नेहरा भी उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुल सचिव समंदर सिंह भाटी ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए वैज्ञानिकों को शुभकामनाएं दी।

हाथोज धाम में पंच दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव सम्पन्न

चरण पूजन आज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हाथोज धाम स्थित श्री दक्षिणमुखी बालाजी मंदिर में आयोजित पंच दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत आज हाथोज धाम पीठाधीश्वर स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज के सान्निध्य में विविध धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुए। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित किया। आज हाथोज धाम मुख्य मंदिर में हाथोज धाम पीठाधीश्वर स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज के चरण पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अंत में भंडारा प्रसादी का आयोजन होगा।

इससे पूर्व कार्यक्रम के अंतर्गत गुरु कृपा सत्संग मंडल, जयपुर द्वारा संगीतमय श्रीराम नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। भजन-कीर्तन एवं रामनाम के जयघोष से संपूर्ण हाथोज धाम भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। इसके पश्चात भगवान नृसिंह अवतार की भव्य झांकी एवं नृसिंह लीला की शोभायात्रा हाथोज धाम मंदिर से प्रारंभ होकर हाथोज के मुख्य मार्ग तक निकाली गई। बैंडवादन, आकर्षक झांकियों, धार्मिक ध्वजों एवं जयघोषों के साथ निकली शोभायात्रा ने सभी का मन मोह लिया। मार्ग में जगह-जगह ग्रामवासियों एवं श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा, स्वागत- सत्कार एवं आरती कर शोभायात्रा का भव्य अभिनंदन किया गया। महोत्सव भंडारा प्रसादी का आयोजन भी किया गया, जिसमें संत समाज एवं श्रद्धालुओं को सम्मानपूर्वक स्वागत कर प्रसादी ग्रहण कराई गई। इस अवसर पर स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने कहा कि गुरु की कृपा से ही ज्ञान, भक्ति और आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। राम नाम संकीर्तन, धार्मिक लीलाएँ और ऐसे आध्यात्मिक आयोजन हमारी सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के सशक्त माध्यम हैं। ये समाज में धर्म, संस्कार, समरसता, सेवा और राष्ट्रभावना को सुदृढ़ करते हैं। महोत्सव में जगद्गुरु रामानुजाचार्य नागोरिया पीठाधीश्वर स्वामी विष्णुप्रपन्नाचार्य महाराज, महन्त महावीर जती महाराज शिवमठ गाड़ोदा, महंत मनोहरशरण दास महाराज पलसाना, महंत राजाराम दास महाराज बदनपुरा गणेश मंदिर, महंत अयोध्यादास महाराज आमेर, महंत कालिदास महाराज नायन धाम, महामंडलेश्वर सियाराम दास महाराज गलता गेट, रामसेवक दास महाराज पापड़ के हनुमान जी, विष्णु दास नागा महाराज सहित श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

राजस्थान पुलिस अकादमी और यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के बीच एमओयू

पुलिसकर्मियों में तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य और पेशेवर दक्षता होगी सुदृढ़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने पुलिस कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए राजस्थान पुलिस अकादमी एवं यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर (यूके) के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। लगभग 200 वर्ष पुराने विश्व प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के साथ यह साझेदारी राजस्थान पुलिस को वैश्विक शैक्षणिक विशेषज्ञता और आधुनिक शोध से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

डीजीपी की मौजूदगी में हुआ ऐतिहासिक करार

पुलिस मुख्यालय में आयोजित समारोह में महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा की मौजूदगी में राजस्थान पुलिस अकादमी की ओर से अतिरिक्त निदेशक शंकरदत्त शर्मा तथा यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर की ओर से प्रो. (डॉ.) विमल कुमार शर्मा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

"हमारे डेटा और उनके शोध से बदलेगी पुलिसिंग की तस्वीर"

इस अवसर पर महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि 200 वर्ष पुराने प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से जुड़ना राजस्थान पुलिस के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस के पास उपलब्ध व्यापक अनुभव एवं डेटा तथा विश्वविद्यालय की शोध विशेषज्ञता के समन्वय से पुलिसिंग, पुलिस कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की ज्ञान-संपदा और वैज्ञानिक शोध का लाभ उपलब्ध कराएगी।

मिलेंगे डिस्टेंस लर्निंग और सर्टिफिकेट कोर्स के अवसर

डीजीपी शर्मा ने कहा कि इस समझौते के माध्यम से राजस्थान पुलिस के अधिकारियों एवं कार्मिकों के लिए डिस्टेंस लर्निंग, सर्टिफिकेट कोर्स, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रशिक्षण, सेमिनार, कार्यशालाओं तथा विशेषज्ञ व्याख्यानों के नए अवसर उपलब्ध होंगे। इससे पुलिस बल की क्षमता वृद्धि के साथ-साथ तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य और पेशेवर दक्षता को भी सुदृढ़ किया जा सकेगा।

मानसिक स्वास्थ्य और पुलिस कल्याण पर होगा संयुक्त शोध

एमओयू के अनुसार प्रारंभिक चरण में सहयोग यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज के साथ किया जाएगा तथा भविष्य में आपसी सहमति से अन्य विषयों को भी इसमें शामिल किया जा सकेगा। समझौते के तहत मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक देखभाल, स्वास्थ्य विज्ञान, पुलिस कल्याण एवं अन्य पारस्परिक रुचि के विषयों पर संयुक्त शोध एवं अनुसंधान किए जाएंगे। इस दौरान डीजीपी शर्मा ने हाल के वर्षों में पुलिसकर्मियों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं पर चिंता जताई और विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों को इस विषय पर विशेष अध्ययन कर सुझाव देने का आह्वान किया।

संयुक्त रिसर्च, प्रकाशन और वैश्विक विशेषज्ञों का होगा आदान-प्रदान

इस मौके पर एडीजी ट्रेनिंग राघवेंद्र सुहासा ने बताया कि समझौते के अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त शोध परियोजनाएं, अकादमिक प्रकाशन, सेमिनार, कार्यशालाएं, विशेषज्ञ व्याख्यान तथा शोध गतिविधियों का संचालन करेंगे। दोनों पक्ष विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं एवं शिक्षकों के बीच अकादमिक सहयोग को भी बढ़ावा देंगे, जिससे वैश्विक स्तर पर ज्ञान और अनुभव का आदान-प्रदान सुनिश्चित हो सके।

पीएचडी, इंटर्नशिप और एक्सचेंज प्रोग्राम को मिलेगा बढ़ावा

एमओयू में अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट एवं पोस्ट-डॉक्टोरल विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं के एक्सचेंज प्रोग्राम, विजिटिंग प्रोफेसर व्यवस्था, संयुक्त शिक्षण कार्यर्र म, पीएचडी शोध का सह-मार्गदर्शन, इंटर्नशिप, अल्पकालिक अकादमिक कार्यर्र म तथा संयुक्त तकनीकी एवं शोध परियोजनाओं की संभावनाओं का भी प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त दोनों संस्थान तृतीय पक्ष से अनुसंधान एवं तकनीकी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहयोग प्राप्त करने तथा वैश्विक नेटवर्क विकसित करने की दिशा में भी संयुक्त प्रयास करेंगे।

5 वर्ष तक रहेगा प्रभावी, गोपनीयता, बौद्धिक संपदा का होगा संरक्षण

एमओयू के अनुसार सभी संयुक्त परियोजनाएं आपसी सहमति से संचालित होंगी तथा प्रत्येक परियोजना के लिए आवश्यकतानुसार पृथक समझौता किया जाएगा। बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा, गोपनीयता तथा वित्तीय व्यवस्थाओं को लेकर भी स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। यह समझौता पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगा तथा आपसी सहमति से आगे भी बढ़ाया जा सकेगा।

इस वर्ष बीकानेर में आयोजित होगा राज्य स्तरीय मुख्य समारोह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह-2026 के सफल, गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन के संबंध में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि बीकानेर के लिए यह गर्व और हर्ष का विषय है कि इस वर्ष राज्य स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह का आयोजन बीकानेर में किया जा रहा है।

उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे बीकानेर जिला प्रशासन के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित समयसीमा में सभी तैयारियां पूर्ण करें, ताकि समारोह का आयोजन गरिमापूर्ण, भव्य एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया जा सके। बैठक में बीकानेर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय मुख्य समारोह के साथ-साथ बीकानेर एवं जयपुर में आयोजित होने वाले 'एट होम' कार्यक्रमों की तैयारियों एवं आयोजन स्थलों से संबंधित व्यवस्थाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर बीकानेर में आयोजित होने वाला सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रभावी प्रतिबिंब बने तथा उसे आकर्षक एवं यादगार स्वरूप दिया जाए। बैठक के दौरान बीकानेर जिला कलेक्टर से समारोह स्थल के चयन, पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पेयजल, चिकित्सा सुविधाएं, विद्युत व्यवस्था, परेड, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक विभाग अपने निर्धारित दायित्वों का समयबद्ध निर्वहन सुनिश्चित करे तथा किसी भी प्रकार की कमी अथवा समन्वय संबंधी समस्या का तत्काल समाधान किया जाए। साथ ही समारोह स्थल पर सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता एवं सुरक्षा संबंधी सभी मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग नवीन जैन, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (कानून एवं व्यवस्था) वी.के. सिंह, जयपुर जिला कलेक्टर संदेश नायक सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं बीकानेर संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा, बीकानेर जिला कलक्टर निशांत जैन तथा अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जरिए बैठक से जुड़े।

अवैध गैस रिफिलिंग एवं कालाबाजारी में 73 घरेलू गैस सिलेंडर, दो वाहन और एक मोटरसाइकिल जब्त

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्य सचिव राजस्थान सरकार एवं खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देशानुसार घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण, कालाबाजारी एवं अवैध रिफिलिंग की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला कलक्टर संदेश नायक के निर्देशन में जिला रसद अधिकारी, जयपुर प्रथम प्रियव्रत सिंह चारण के नेतृत्व में गठित सतर्कता दल ने सांगानेर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध गैस रिफिलिंग के मामले का खुलासा किया। सतर्कता दल ने मनोरियावाला साहीपुरा , सांगानेर क्षेत्र में दबिश देकर मौके पर अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग करते हुए 73 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। कार्रवाई के दौरान पिकअप वाहन, कार तथा मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। मौके पर एक व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की गई तथा उसके खिलाफ संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि अवैध गैस रिफिलिंग और घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग गंभीर हादसों का कारण बन सकता है। रिहायशी क्षेत्रों में इस प्रकार की गतिविधियां आमजन के जीवन एवं संपत्ति के लिए बड़ा खतरा हैं।